धनबाद, शुक्रवार
24 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 294
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

पेपर लीक मामलों के लिए गठित होंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देशवासियों को विश्वास दिलाया कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने घोषणा की की पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा।प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए सरकार की ओर से लिए जा रहे निर्णय में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। फास्ट ट्रैक कोर्ट से संबंध में निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।उल्लेखनीय है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों का नीट और अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक से जुड़े मामलों पर आंदोलन जारी है। छात्रों की प्रमुख मांग देश के शिक्षामंत्री इस्तीफा दें।

छात्रों के कंधों पर ओछी राजनीति से बाज आए विपक्षः अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (एजेंसी) : पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने पेपर लीक से जुड़े मामलों की त्वरित एवं निष्पक्ष जांच के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट गठित करने संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा को संवेदनशील निर्णय बताया है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण निर्णय इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विपक्ष से अपील करते हुए कहा कि देश के युवाओं के कंधों पर राजनीति करना बंद करें। उन्होंने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ने के बजाय लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करें, संसद में सार्थक एवं रचनात्मक चर्चा में भाग लें और युवाओं के सर्वोत्तम हित में मिलकर कार्य करें। ठाकुर ने कहा कि विपक्ष से निवेदन है कि वो युवाओं के कंधों पर अपनी राजनीति ना करे, भागे नहीं बल्कि चर्चा में भाग ले।

सरकार वार्ता को तैयार, आंदोलनकारी छात्र आवास या कार्यालय पर आएं : नड्डा

नई दिल्ली,(एजेंसी) : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों से सरकार बातचीत के लिए तैयार है। इसके लिए छात्रों को उनके आवास या फिर कार्यालय आना होगा।

संसद परिसर में जेपी नड्डा ने कहा, ह्लहां, हम तैयार हैं। हमारे घर या हमारे आधिकारिक कार्यालय आ जाइए।

वहीं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ये स्पष्ट कर दिया है कि जो दोषी हैं उन पर फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर कड़ी सजा दी जाएगी। हमारा कांग्रेस और विपक्ष से अनुरोध है कि इस विषय का राजनीतिकरण ना करें। भागें मत, चर्चा कीजिए।कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने 20 जुलाई को जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की थी और उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद बुधवार को दोबारा बातचीत के लिए आमंत्रित करने पर सीजेपी नेताओं ने कहा था कि वह उनके आवास या कार्यालय पर नहीं जाएंगे बल्कि किसी अन्य स्थान पर बातचीत के लिए तैयार हैं।इसके पहले, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि आंदोलनकारी छात्रों से सरकार कहीं भी बातचीत के लिए तैयार है।दूसरी और सीजेपी सूत्रों के मुताबिक वह सरकार से किसी भी तरह की बातचीत उनके ऑफिस या घर पर नहीं करेगी।

झारखंड में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीच्यूट की स्थापना की दिशा में पहल

रांची(एजेंसी) : झारखंड में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट की स्थापना की दिशा में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने प्रारंभिक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में 22 जुलाई को झारखंड फिल्म एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट के बीच संपन्न हुए एमओयू के क्रम में सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के कुलपति श्री समीरन दत्ता अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ सूचना भवन का दौरा किया।बैठक के दौरान इंस्टिट्यूट की स्थापना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई साथ ही इंस्टिट्यूट में कोर्स प्रारंभ करने हेतु आवश्यक सुविधाओं का आकलन किया गया।सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त निदेशक श्री आनन्द ने जानकारी दी कि आरंभिक चरण में आवश्यकताओं के अनुरूप शुरू किए जाएंगे, जिनमें की सुविधा उपलब्ध होगी, कोर्स की अवधि एक, दो, तीन

या छह महीने की होगी। खत्रछ्रक के प्रारंभिक चरण में विद्यार्थियों एवं कामकाजी युवाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भी शुरू किए जाएंगे, जिन्हें तथा के रूप में संचालित किया जाएगा। फिलवक्त सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट के तकनीकी सहयोग से विभाग के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए जल्द ही शार्ट टर्म कोर्सेज शुरू किए जाने का प्रयास है।सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट, कोलकाता के कुलपति श्री समीरन दत्ता ने कहा कि झारखंड फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टिट्यूट के शुरू होने से झारखंड के युवाओं, विशेषकर मास मीडिया और सिनेमा में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा और के अंतर्गत साउंड डिजाइनिंग, एडिटिंग, एनिमेशन, स्क्रिप्ट व स्क्रीनप्ले राइटिंग, सिनेमैटोग्राफी, डायरेक्शन और फिल्म प्रोडक्शन जैसे सिनेमा के सभी प्रमुख अंगों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। श्री दत्ता झारखंड फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट में कोर्सेज शुरू करने हेतु उपलब्ध सुविधाओं का आकलन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्लेटफार्म के माध्यम से यहां के युवाओं के लिए एक नया आयाम शुरू होने जा रहा है। हम झारखंड फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट के निर्माण को लेकर हरसंभव सहायता करेंगे। संस्थान के ब्लू प्रिंट तैयार करने से लेकर के प्रशिक्षण हेतु तकनीकी जरूरतों की व्यवस्था कराने में मदद करेंगे।

कुलपति श्री समीरन दत्ता ने सुझाव दिया कि पूर्णतः क्रियाशील होने के उपरांत प्रारंभिक चरण में राज्य के मीडियाकर्मियों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किए जाएँ, ताकि वे आधुनिक फिल्म, टेलीविजन एवं मीडिया तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी दक्षता को और सुदृढ़ बना सकें।

तत्काल एक स्वस्थ फिल्म संस्कृति के बाबत प्रारंभ में फिल्म एप्रिशियेशन कोर्स से शुरूआत किया जाना बेहतर रहेगा।इस अवसर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक श्री शाहिद आलम, श्री राशिद अख्तर, श्री बीरू कुशवाहा, श्रीमती सुनीता धान, श्री अभय कुमार और के एसोसियट प्रो. नीलाजन बनर्जी एवं प्रो.इंद्रनील मु-

मुख्यमंत्री से खेल सचिव, खेल निदेशक और मेजर जनरल ने की मुलाकात

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार, खेल निदेशक छवि रंजन, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-23 आईबीजी मेजर जनरल सज्जन सिंह मान, डूरंड कप के नोडल अधिकारी कर्नल हेम चंद्रा तथा सहायक नोडल अधिकारी मेजर आनंद प्रकाश ने कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की।

इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को रांची में 26 जुलाई 2026 से आयोजित होने वाले 135वें संस्करण डूरंड कप-2026 के उद्घाटन समारोह एवं उद्घाटन मैच में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

पत्थरबाजी मामले में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ भाजपा ने दर्ज कराई प्राथमिकी

रांची, 23 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस कार्यकताओं पर पथराव का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल अरगोड़ा थाना पहुंचा और कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, वरिष्ठ नेता दीपक प्रकाश, रांची मेयर रोशनी खालखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे। भाजपा का आरोप है कि पार्टी कार्यालय के घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने सुनियोजित तरीके से पथराव किया, जिसमें कई भाजपा कार्यकर्ता घायल हुए। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यह कोई काउंटर एफआईआर नहीं है, बल्कि भाजपा कार्यकताओं पर हुए हमले की शिकायत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ता पहले से पत्थर लेकर आए थे और योजनाबद्ध तरीके से हमला किया। मरांडी ने कहा कि भाजपा के कई कार्यकताओं को गंभीर चोटें आई हैं, इसलिए व्यक्तिगत और पार्टी स्तर पर दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराई गई हैं।उन्होंने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बैरिकेडिंग खोलने में पुलिस की भूमिका संदिग्ध रही। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि दोषियों के साथ-साथ घटना में शामिल लोगों पर

भी कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं, रांची महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू ने बताया कि 20 से 25 लोगों को नामजद करते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकताओं ने भाजपा कार्यालय पर अंडे, टमाटर और पत्थरों से हमला किया, जिसमें कई कार्यकर्ता घायल हुए। उन्होंने कहा कि पुलिस को मेडिकल रिपोर्ट और घटना से जुड़े वीडियो साक्ष्य (पेन ड्राइव) भी सौंपे गए हैं। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

घटना में घायल भाजपा कार्यकर्ता संजय चौधरी ने बताया कि वह पार्टी कार्यालय में मौजूद थे, तभी अचानक किसी ने उनके सिर पर पत्थर या किसी भारी नुकीली वस्तु से हमला कर दिया। इससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और टांके लगाने पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि घायल होने के बाद कुछ लोगों ने सरिया जैसी वस्तु से भी उनके साथ मारपीट की।

भाजपा ने कांग्रेस के जिला अध्यक्ष कुमार राजा, राकेश सिन्हा, सुनील सिंह, ऋषिकेश सिंह, किशोर शाहदेव, उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, डॉ तौसिफ, शहबाज अहमद, अजय नाथ शाहदेव, सुरेन्द्र सिंह, आलोक दुबे, सोमनाथ मुंडा (रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष), अभिलाष साहू, अनवर अहमद, रविन्द्र सिंह, सतीश पाल मुंजनी, सुनीत शर्मा, विजय शंकर नायक, अगुंजन सिंह एवं सैकड़ों कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं के खिलाफ मारपीट के विरोध में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मंत्री इरफान ने गोल इंस्टीच्यूट के नीट में सफल छात्रों को सम्मानित किया

रांची, (एजेंसी) : गोल इंस्टीट्यूट की ओर से गुरूवार को रांची में नीट में सफल छात्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इंस्टी्च्यूट से नीट परीक्षा 2026 में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें गर्व की अनुभूति हो रही है, लेकिन उनका मन उन लाखों छात्रों के दर्द से भी व्यथित है। जिनके सपनों पर पेपर लीक की घटनाओं ने चोट पहुंचाई है।

उन्होंने कहा कि 28 वर्षों की अपनी गौरवशाली यात्रा में गोल इंस्टिट्यूट के18,000 विद्यार्थी नीट परीक्षा में सफल होकर आज भारत और विदेशों में चिकित्सक के रूप में मानवता की सेवा कर रहे हैं। यह किसी भी संस्थान के लिए असाधारण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के नीट परिणामों में गोल इंस्टिट्यूट का प्रदर्शन अत्यंत उत्कृष्ट रहा है।

मंत्री ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं के कारण अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी सफलता से

वंचित रह गए। उन्होंने आग्रह किया कि ऐसे बच्चों को न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रभावी पहल करे, ताकि मेहनत करने वाले किसी भी विद्यार्थी का भविष्य बर्बाद न हो।

अंसारी ने कहा कि वे छात्रों और अभिभावकों की इस पीड़ा को पूरी गंभीरता से समझते हैं। युवाओं के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य में चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस एवं पीजी सीटों की संख्या बढ़ाई जा रही है ताकि राज्य के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध हो सके। वर्षों तक झारखंड की चिकित्सा शिक्षा की उपेक्षा हुई, लेकिन अब महागठबंधन सरकार इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिलेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खालखो, गोल इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बिपिन कुमार सिंह, रांची विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ ए. एन. शाहदेव, सेंट जेवियर्स इंटरमीडिएट कॉलेज, रांची के प्राचार्य फादर अजय अनिल तिर्की, रिम्स फिजियोलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ शिशिर कुमार, पैनेसिया हॉस्पिटल, रांची के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार सहित बड़ी संख्या में नीट में सफल छात्र-छात्राएं सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली, (एजेंसी) : लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्य ने पेपर लीक मुद्दे पर गुरुवार को भी भारी हंगामा किया जिसके कारण कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी।

पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने दो बार के स्थगन के बाद दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू की तभी विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। श्री सैकिया ने सदस्यों से नियम 377 के तहत मामले उठाने का आग्रह किया और कहा कि यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी को अपने-अपने स्थान पर जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सदन को बार बार बाधित करना सही नहीं है। पीठासीन अधिकारी के बार-बार आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं थमने पर कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी।

इससे पहले श्री सैकिया ने एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने हंगामे के बीच ही आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए।

विपक्षी दलों के हंगामे पर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार ने कल भी सदन चलने देने विपक्षी सदस्यों से अपील की थी। कांग्रेस तथा विपक्ष के अन्य दलों के नेताओं से व्यक्तिगत स्तर बातें की है कि आपका जो सुझाव है उस पर लोकसभा अध्यक्ष के माध्यम सरकार पेपर लीक पर विपक्ष के

साथ चर्चा करना चाहती है लेकिन इसमें सहयोग करना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए पेपर लीक करने वालों और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पहले ही घोषणा कर दी है। उन्होंने विपक्ष के सदस्यों से आग्रह किया कि वे सदन में सहयोग करें और सदन चलने दें और जो उनके मुद्दे हैं उन पर सदन में चर्चा की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष हंगामा कर चर्चा से भागना चाहता है।

श्री रिजिजू ने विपक्षी दलों के नेताओं से पेपर लीक के मामले पर राजनीति नहीं करने का आग्रह करते हुए कहा कि संसद को मिलकर हम सबको इस समस्या के समाधान के लिए चर्चा करनी चाहिए।

पीठासीन अधिकारी ने भी सदस्यों से हंगामा नहीं करने की अपील की और कहा कि सदन का समय बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठकर सदन की कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी इसलिए उन्होंने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी।

इससे पहले आज सदन की कार्यवाही 11 बजे शुरू होते ही विपक्ष ने नीट के मुद्दे पर हंगामा किया। शोरगुल और हंगामा देखकर अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस तरह शोरगुल करने से किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सरकार पेपर लीक पर सदन में चर्चा कराने को तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रश्न काल चलने दीजिए। प्रश्न काल के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के लोग उनके चैम्बर में आयें और बातचीत से कोई समाधान निकाला जाये। नियमों के तहत हर विषय पर चर्चा करायी जायेगी। शोरगुल थमता न देखकर उन्होंने कहा कि सदस्य सदन की कार्यवाही चलने देना नहीं चाहते। उन्होंने कार्यवाही दोपहर

बेल्जियम के विद्यार्थियों ने किया झारखंड विधानसभा का भ्रमण

अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो से की शिष्टाचार भेंट

विधानसभा द्वारा प्रकाशित पुस्तक ₹सदन संवाद₹ स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट की

रांची(एजेंसी) : विश्वविद्यालय के स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत बेल्जियम से झारखंड दौरे पर आए विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज झारखंड विधानसभा का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो से शिष्टाचार भेंट कर अपने झारखंड प्रवास के अनुभव साझा किए।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को झारखंड विधानसभा द्वारा प्रकाशित पुस्तक ₹सदन संवाद₹ स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट की। विद्यार्थियों ने झारखंड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामाजिक विविधता, परंपराओं और स्थानीय जीवनशैली की सराहना करते हुए कहा कि राज्य का सांस्कृतिक वैभव, प्राकृतिक सौंदर्य तथा यहां के लोगों का आत्मीय व्यवहार उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा।

विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने बेल्जियम से आए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ विभिन्न देशों के बीच आपसी समझ, मैत्री संबंध और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी नई दिशा प्रदान करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

सिक्किम टनल हादसे में हजारीबाग के मजदूर की मौत, गांव में पसरा मातमः परिजनों ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

हजारीबाग (एजेंसी) : सिक्किम के नामची जिले में निमार्णाधीन तीस्ता स्टेज-6 जल विद्युत परियोजना की हेड रेस टनल में हुए भीषण हादसे ने झारखंड 7 मजदूरों की मौत हो गई है। इस घटना में एक हजारीबाग के बरही प्रखंड का तिलैया बस्ती निवासी जागेश्वर ठाकुर भी शामिल है।जानकारी के अनुसार, समरडुंग स्थित एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जल विद्युत परियोजना की निमार्णाधीन हेड रेस टनल में मिथेन गैस के रिसाव के बाद विस्फोट हो गया।हादसे के समय जागेश्वर ठाकुर अपने अन्य साथियों के साथ पटेल कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्यरत थे।बताया जाता है कि वे पिछले दो से तीन वर्षों से वहां मशीन ऑपरेटर के रूप में काम कर रहे थे।

हादसे के बाद पहले परिजनों को सूचना दी गई कि जागेश्वर ठाकुर लापता हैं, लेकिन कुछ ही देर बाद उनके निधन की पुष्टि कर दी गई।मृतक के पुत्र राहुल ठाकुर सिक्किम पहुंच चुके हैं, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।वहीं, जागेश्वर ठाकुर की पत्नी को अभी घटना की पूरी जानकारी नहीं दी गई है।परिवार के अन्य सदस्य और रिश्तेदार इस कठिन समय में उन्हें संभालने का प्रयास कर रहे हैं।गांव के लोगों, जनप्रतिनिधियों और परिजनों ने झारखंड तथा सिक्किम सरकार से आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग की है।उनका कहना है कि परिवार का भरण-पोषण अब सरकार की मदद पर निर्भर हो गया है।

जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक में 70 कर्मियों को एसीपी-एमएसीपी का लाभ देने का निर्णय

पलामू (एजेंसी) : जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने अपने कार्यालय कक्ष में गुरुवार को जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक की।उच्च न्यायालय से प्राप्त निर्देश के आलोक में इस बैठक में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के समायोजित कुल 70 कर्मियों को एसीपी-एमएसीपी का लाभ प्रदान करने का निर्णय लिया गया।जिसमें अनुसेवक समेत विभिन्न कर्मी शामिल हैं।विदित हो कि एसीपी-एमएसीपी का लाभ वैसे कर्मियों को दिया जाता है जिनकी संतोषप्रद सेवा काल दस वर्ष पूरा हो चुका है।बैठक के दौरान जिन कर्मियों का संतोषप्रद सेवा दस वर्ष पूरा हो गया था,उन्हें प्रथम एसीपी-एमएसीपी का लाभ,जिनका सेवा 20 वर्ष उन्हें द्वितीय एसीपी-एमएसीपी और जिनकी सेवा 30 वर्ष पूरा हो चुका था,उन्हें तृतीय एसीपी-एमएसीपी का लाभ प्रदान किया गया हैं।बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,सहायक समाहर्ता ऋत्विक मेहता,सदर अनुमंडल पदाधिकारी,जिला कल्याण पदाधिकारी,स्थापना उप समाहर्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

किसानों के बीच अरहर-मूंग बीज का वितरण जारी; जल्द मिलेगा मकई व मड़वा बीज भी

जामताड़ा (एजेंसी) : नारायणपुर प्रखंड के किसानों के लिए कृषि विभाग की ओर से राहत भरी खबर है। खरीफ फसल की बेहतर तैयारी को लेकर किसानों के बीच अरहर एवं मूंग बीज का नियमित वितरण किया जा रहा है। वहीं, विभाग ने जल्द ही मकई और मड़वा बीज का भी वितरण शुरू करने की घोषणा की है, जिससे क्षेत्र के अधिक से अधिक किसान उन्नत खेती से जुड़ सकेंगे।प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि विभाग को अब तक 23 क्विंटल 28 किलोग्राम अरहर बीज तथा 2 क्विंटल 12 किलोग्राम मूंग बीज प्राप्त हुआ है। उपलब्ध बीजों का वितरण विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पहाड़िया आदिम जनजाति बहुल गांवों में पहुंचकर भी किसानों के बीच बीज वितरित किया गया है। इसके अलावा प्रखंड परिसर स्थित सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन किसानों को बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।बीएओ ने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है, ताकि फसल उत्पादन बढ़े और किसानों की आय में वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द मकई एवं मड़वा बीज भी प्रखंड को प्राप्त होगा, जिसके बाद उसका वितरण शुरू कर दिया जाएगा। इन फसलों की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित होगी।उन्होंने बताया कि बीज के साथ किसानों को नैनो यूरिया भी उपलब्ध कराया जा रहा है। बीज प्राप्त करने के लिए किसानों को पहले ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इसके लिए आधार कार्ड और मोबाइल नंबर आवश्यक है। मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी सत्यापन के बाद किसानों को विभाग द्वारा बीज उपलब्ध करा दिया जाता है।कृषि विभाग ने क्षेत्र के किसानों से समय पर पंजीकरण कर योजनाओं का लाभ उठाने और उन्नत खेती अपनाकर अपनी आय बढ़ाने की अपील की है।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने किया राजनगर में 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम निर्माण कार्य का शिलान्यास

सरायकेला : किसानों को अनाज के बेहतर भंडारण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चम्पाई सोरेन ने राजनगर लैम्पस में 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।इस अवसर पर चम्पाई सोरेन ने कहा कि इस गोदाम के निर्माण से किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने की आधुनिक सुविधा मिलेगी। इससे उन्हें फसल को उचित समय तक सुरक्षित भंडारित करने और बेहतर मूल्य मिलने पर बिक्री करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की आधारभूत सुविधाओं का विकास कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।इस मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियों ने बताया कि 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले इस गोदाम का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाएगा तथा इसे चार माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।इस कार्यक्रम में मुखिया राजो टुडू, सानंद आचार्या, दिलीप राउत, सुराई मुर्मू, मनसुख कुजूर, राकेश सतपति, गोरा सतपति, डोबरा देवगम, कृष्णा मार्डी, विक्रम मार्डी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं किसान उपस्थित रहे।

अनियंत्रित कोयला परिवहन से त्रस्त टंडवा-सिमरिया क्षेत्र,सांसद कालीचरण सिंह ने संसद में उठाई समर्पित कोल ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने संसद के मानसून सत्र में नियम 377 के तहत टंडवा एवं आसपास के कोयला उत्पादक क्षेत्रों में अनियंत्रित एवं भारी कोयला परिवहन से उत्पन्न गंभीर जनसमस्याओं को सदन के समक्ष प्रमुखता से उठाया। सांसद ने कहा कि कोयला उत्पादन क्षेत्र देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन इन क्षेत्रों से गुजरने वाले भारी वाहनों के अनियंत्रित आवागमन के कारण स्थानीय लोगों को लगातार जाम, सड़क दुर्घटनाओं, धूल, प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।सांसद ने सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि टंडवा, सिमरिया, चतरा, गिद्धौर सहित आसपास के कोयला उत्पादक क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारी वाहन कोयले का परिवहन करते हैं। इन वाहनों के कारण कई प्रमुख सड़कों पर दिन-रात यातायात का दबाव बना रहता है। कई स्थानों पर घंटों जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे आम लोगों, विद्यार्थियों, मरीजों, कर्मचारियों और छोटे वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।उन्होंने कहा कि भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। सड़क पर उड़ने वाली कोयले की धूल और अत्यधिक धूलकणों के कारण आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है।सांसद ने कहा कि कोयला परिवहन का प्रभाव केवल यातायात और स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रतिकूल असर क्षेत्र के पर्यावरण, कृषि भूमि और जलस्रोतों पर भी पड़ रहा है। भारी वाहनों के आवागमन से सड़कों के किनारे बड़ी मात्रा में कोयले की धूल जमा हो रही है। बारिश के दौरान यही

धूल और कोयले के कण आसपास के जलस्रोतों तक पहुंचते हैं, जिससे जल प्रदूषण की आशंका बनी रहती है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीणों की आजीविका का बड़ा आधार कृषि है। ऐसे में कृषि भूमि पर धूल की परत जमने और प्रदूषण बढ़ने से खेती भी प्रभावित हो रही है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति बने रहना पर्यावरणीय संतुलन के लिए भी गंभीर चुनौती है।सांसद ने केंद्र सरकार से मांग कि टंडवा एवं आसपास के कोयला उत्पादक क्षेत्रों में आम यातायात से अलग एक समर्पित एवं समयबद्ध कोल ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि कोयले की ढुलाई के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जिससे भारी वाहनों का दबाव आबादी वाले क्षेत्रों और आम सड़कों से कम हो सके।उन्होंने कोयला परिवहन के लिए रेल नेटवर्क, कन्वेयर बेल्ट और अन्य आधुनिक एवं प्रदूषण-मुक्त परिवहन प्रणालियों को प्राथमिकता देने की बात भी सदन में रखी।इससे न केवल सड़क दुर्घटनाओं और जाम की समस्या में कमी आएगी, बल्कि धूल एवं वायु प्रदूषण पर भी प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा।सांसद ने प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था लागू करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि कोयला परिवहन मार्गों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव, वाहनों को ढककर परिवहन, प्रदूषण की नियमित निगरानी तथा पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।इसके साथ ही कोयला उत्पादक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। विशेष रूप से श्वसन संबंधी बीमारियों से बचाव और समय पर उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष व्यवस्था की आवश्यकता है।सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि कोयला उत्पादन देश के विकास और ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक है, लेकिन विकास की प्रक्रिया में स्थानीय जनता की सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण की अनदेखी नहीं की जा सकती। कोयला उत्पादक क्षेत्रों के लोगों को विकास की कीमत प्रदूषण, दुर्घटनाओं, जाम और स्वास्थ्य संकट के रूप में नहीं चुकानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि टंडवा और आसपास के क्षेत्रों में कोयला परिवहन की समस्या का स्थायी समाधान आवश्यक है। समर्पित कोल ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, आधुनिक परिवहन व्यवस्था, प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण और नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से ही क्षेत्र में विकास और जनहित के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है।सांसद ने केंद्र सरकार से इस गंभीर विषय पर शीघ्र ठोस कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि कोयला उत्पादन और औद्योगिक विकास के साथ-साथ स्थानीय जनता की सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण भी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए।

दिल्ली में आंदोलनरत छात्रों पर हुए लाठीचार्ज में विरोध में झामुमो ने फूँका केंद्र सरकार का पुतला

साहिबगंज (एजेंसी) : जिले के झामुमो कार्यकताओं ने गुरूवार को स्टेशन चौक पर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर में छात्रों एवं नौजवानों द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट 2026) व सीबीएसई मार्किंग में हुई गड़बड़ी को लेकर विरोध जता रहे आंदोलनरत छात्र एवं छत्राओं पर हुए लाठीचार्ज व बर्बरतापूर्ण बर्ताव के विरोध में झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह के नेतृत्व में पैदल आक्रोश मार्च करते हुए जिले के स्टेशन चौक में केंद्र की भाजपा सरकार का पुतला जलाकर विरोध जताया।अपने संबोधन में झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के निर्देश पर पुलिस द्वारा छात्र एवं छत्राओं हुए लाठी चार्ज की हमारी पार्टी कड़ी निंदा करती है।जब छात्र व नौजवानों द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जताया जा रहा था, तो केंद्र की भाजपा सरकार तानाशाही तरीके से उन्हें डरा-धमकाकर मार-पीट कर

छात्रों के आंदोलन को समाप्त करना चाहती है। भाजपा ने केंद्र की सत्ता में बैठने के लिए हर वर्ष 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन नई नौकरी देने के बजाय हर बार पेपर लीक का मामला सामने आ जाता है। अभी हाल ही में नीट परीक्षा को भी रद्द कर दिया गया, यह पूरी तरह से छात्रों के साथ अन्याय है।छात्र कड़ी मेहनत और ईमानदारी से हर बार परीक्षा की तैयारी करते है लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार छात्रों के परिश्रम पर पानी फेर देती है।वही जिला उपाध्यक्ष सह केंद्रीय समिति सदस्य संजीव शामू हेंब्रम व संजय मिश्रा मो मारुफ उर्फ गुड्डू ने अपने अपने संबोधन में केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार छात्रों का हित नही चाहती है।हर बार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है इसे हमारी पार्टी कतई बर्दाश्त नही करेगी।छात्रों व नौजवानों पर केंद्र सरकार के निर्देश पर हुए लाठीचार्ज की हमारी पार्टी कड़ी निंदा करती है।हमारी पार्टी छात्रों के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ी है।विरोध प्रदर्शन में जिला युवा मोर्चा सचिव मो मारुफ उर्फ गुड्डू, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा, केंद्रीय समिति सदस्य मुजीबुर रहमान, अखलाकुर रहमान, नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान, जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम, काजू मल्लिक, जिला कार्यकारिणी सदस्य अब्दुल बारीक शेख, जंग बहादुर सिंह, जलेबी सिंह,जेम्स किस्कू,नसीम अंसारी, जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष मो अली, देव सोरेन, मो एजाज अंसारी, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष बसंती हांसदा,जिला सचिव संगीता हांसदा, प्रखंड अध्यक्ष बर्नाड मरांडी, प्रखंड स्टेफिन मुर्मू, प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली, प्रखंड अध्यक्ष सुबोध सोरेन, प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह,नगर अध्यक्ष आदित्य यादव, राजमहल प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, प्रखंड उपाध्यक्ष मुर्शिद राजा, नोमान अंसारी, राजू अंसारी, नगर अध्यक्ष धर्मवीर महतो, इकबाल हुसैन, मंडल मरांडी,निताय मंडल, फरहाद अंसारी, रमेश मुर्मू, विश्वजीत मंडल, शकील अहमद समेत अन्य दर्जनों कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

कांग्रेस की हिंसा और अराजकता की राजनीति स्वीकार्य नहीं,चोर मचाए शोर कहावत को चरितार्थ कर रही कांग्रेस : संजय सेठ

रांची : रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने रांची में भाजपा प्रदेश मुख्यालय के घेराव के नाम पर कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा किए गए हिंसक एवं अलोकतांत्रिक व्यवहार की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध और असहमति व्यक्त करने का सभी को अधिकार है, लेकिन किसी राजनीतिक दल के कार्यालय का घेराव कर टकराव, हिंसा और अराजकता का वातावरण बनाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है।श्री सेठ ने कहा कि भाजपा कार्यकताओं ने कांग्रेस के कुत्सित षड्यंत्र और हिंसक मंसूबों को पूरी तरह विफल कर दिया। यदि कांग्रेस को किसी विषय पर सरकार से शिकायत है तो उसके लिए संवैधानिक और लोकतांत्रिक मंच उपलब्ध हैं। लेकिन कांग्रेस ने लोकतांत्रिक संवाद का मार्ग छोड़कर उग्र राजनीति का रास्ता चुना, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पूरे देश में टकराव और अराजकता की राजनीति को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। रांची की घटना भी उसी सोच का परिणाम है। देश की जनता कांग्रेस की इस राजनीति को भली-भांति समझ चुकी है और समय आने पर इसका उचित जवाब देगी।संजय सेठ ने कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस आज चोर मचाए शोर की तर्ज पर राजनीति कर रही है। कांग्रेस को भाजपा पर निराधार आरोप लगाने के बजाय राज्य सरकार, जेपीएससी और उन व्यवस्थाओं से जवाब मांगना चाहिए, जिन पर वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, भ्रष्टाचार और झारखंड के लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ के गंभीर आरोप लगते रहे हैं।उन्होंने कहा कि आज झारखंड के युवा न्याय की मांग कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस उनका साथ देने के बजाय भाजपा को निशाना बना रही है। इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि कांग्रेस युवाओं के साथ हुए अन्याय और भ्रष्टाचार पर मौन सहमति रखती है।रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति का सम्मान होना चाहिए, लेकिन हिंसा, अराजकता और राजनीतिक टकराव की संस्कृति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

भाजपा मुख्यालय के पास कांग्रेस कार्यकताओं का प्रदर्शन,दोनों तरफ से हुई जमकर नारेबाजी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : हरमू बाईपास इलाका गुरुवार को सियासी अखाड़े में तब्दील हो गया।नीट पेपर लीक और जेपीएससी धांधली को लेकर भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता इस कदर आमने-सामने आए कि बात सिर्फ नारेबाजी तक सीमित नहीं रही।बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों के बीच देखते ही देखते अंडे, टमाटर, पानी की बोतलें और पत्थर चलने लगे।सड़क पर हर तरफ बिखरे टमाटर, टूटी बोतलें और उड़ते पत्थर गवाही दे रहे थे कि विरोध का यह तरीका कितना आक्रामक हो चुका है।दोनों ओर से हुई पत्थरबाजी की चपेट में आने से कई कार्यकर्ता और अग्रिम पंक्ति में रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकार भी रूप से घायल हो गए।नीट परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ कांग्रेस कार्यकताओं का हुजूम भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने निकला था। जैसे ही प्रदर्शनकारी हरमू बाईपास पहुंचे, सुरक्षा में लगाए गए बैरिकेडिंग को उखाड़ फेंका और आगे बढ़ने लगे।स्थिति हाथ से निकलते देख पुलिस प्रशासन को मोर्चा संभालना पड़ा।उग्र भीड़ को रोकने के लिए पुलिस ने पहले पानी की बौछारें (वाटर कैनन) छोड़ीं, लेकिन जब कार्यकर्ता नहीं माने तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया।इसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।गहमागहमी के बीच भाजपा प्रदेश कार्यालय में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने मीडिया से बातचीत करते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस पर जमकर भड़ास निकाली।कहा कि कांग्रेस की स्थिति तो चोर मचाए शोरद्ध वाली है।चोरी भी और सीनाजोरी भी। वर्ष 2019 के बाद से झारखंड में जितने भी इम्तिहान हुए है।

कांग्रेस झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ मिलकर झारखंड को कर रही है खोखला:आदित्य साहू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : प्रदेश कांग्रेस की ओर से भाजपा कार्यालय का घेराव और आपत्तिजनक किए गए व्यवहार पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आदित्य साहू ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से कार्यालय का घेराव किया जाने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है लेकिन कांग्रेस ने जिस तरह से हिंदपीढ़ी इलाके के पत्थरबाज और गुंडो के साथ भाजपा कार्यालय का घेराव किया और कार्यकताओं पर पत्थर,डंडे और टमाटर फेंके वह घोर निंदनीय घटना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से की गई पत्थरबाजी में

भाजपा के कई कार्यकताओं को गंभीर चोटे लगी हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ मिलकर राज्य को खोखला बना रही है। कांग्रेस के घेराव कार्यक्रम पर का जिक्र करते हुए आदित्य साहू ने कहा कि पूरे घटना के दौरान पुलिस का रवैया भी काफी निंदनीय रहा। उन्होंने कहा कि पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए सिर्फ भाजपा कार्यकताओं पर लाठियां भांजी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से इस मामले में प्राथमिक की दर्ज कराई जाएगी। इसके साथ ही पार्टी मांग करती है कि सरकार का टुल बनकर काम करने वाले पुलिस को तत्काल निलंबित किया जाए। वही पत्थरबाजी करने वाले कांग्रेस के कार्यकताओं पर भी कार्रवाई की जाए।कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का चाल चरित्र दोहरा है। पार्टी के नेता दिल्ली में कुछ बोलते हैं और झारखंड में कुछ करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में पिछले 6 वर्षों में जेएसएससी, जेपीएससी और उत्पाद सिपाही बहाली प्रक्रिया में प्रश्न पत्र लीक हुए लेकिन कांग्रेस को झारखंड में कुछ दिखाई नहीं देता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा मांग करती है कि जेपीएससी अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्र विरोधी ताकतों के साथ हाथ मिलाकर देश को कमजोर करना चाह रही है। देश के युवाओं से कांग्रेस को कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज के समय में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के खिलाफ भी गलत बयानबाजी करने से भी बाज नहीं आ रही है।

2026 मतदाता सूची का एक भी पात्र मतदाता एसआईआर के ड्राफ्ट मतदाता सूची से नहीं छूटे: के. रवि कुमार

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि एसआईआर के इन्यूमरेशन फेज 29 जुलाई तक है, इस समय सीमा के अन्दर ही मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म, उपलब्ध कराना, भरवाना, वापस जमा करना, डिजिटाइजेशन करना, मतदाताओं का मतदान केंद्र के अनुसार रेंडमाइजेशन करना (जिससे एक परिवार/घर के मतदाता एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध हो) एवं एएसडीडी सूची के साथ साथ वैसे मतदाता जिनका इन्यूमरेशन फॉर्म वापस नहीं प्राप्त हो रहे हैं उसे वापस प्राप्त नहीं होने वाले इन्यूमरेशन फॉर्म की सूची सुनिश्चित करना है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुरुवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ, एईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक कर रहे थे। के. रवि कुमार ने कहा कि ऑनलाइन माध्यम से मतदाताओं प्राप्त इन्यूमरेशन फॉर्म को वेरिफिकेशन ससमय कर लें। उन्होंने कहा कि 22 जुलाई को हुए बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक एवं चुनाव पाठशाला में एएसडीडी

सूची को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट से वेरिफाई करते हुए अंतिम रूप देने का कार्य किया गया है इस बैठक की कार्यवाही को बीएलओ ऐप पर अपलोड कर लें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि यदि शहरी क्षेत्रों में आवश्यकता है, तो विशेष कैंप का आयोजन करें एवं माइकिंग, मीडिया/सोशल मीडिया एवं अन्य प्रचार-प्रसार के माध्यमों से इसका वृहत रूप से प्रचार-प्रसार करें, जिससे वर्तमान मतदाता सूची के कोई भी पात्र मतदाता जो इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करना चाहते हैं उन्हें सहायता प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि एएसडीडी सूची के अतिरिक्त वैसे मतदाता जिनका इन्यूमरेशन फॉर्म वापस नहीं प्राप्त हो रहा है उसे वापस प्राप्त नहीं होने वाले इन्यूमरेशन फॉर्म के कैटिगरी में रखकर अन्य कार्यों को अंतिम रूप दें। उन्होंने कहा कि यदि इन सूची के किसी मतदाता का इन्यूमरेशन फेज के दौरान इन्यूमरेशन फॉर्म वापस आता है तो उसे रोलबैक करते हुए ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल करना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, राज्य ट्रेनिंग नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ, एईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित थे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

डीडीसी ने जिला एवं प्रखंड समन्वयकों को कार्यप्रणाली सुधारने का दिया अंतिम मौका

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने स्वच्छ भारत मिशन के जिला एवं सभी प्रखंड समन्वयकों द्वारा उनके कार्य के प्रति उदासीनता बरतने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्हें सुधार करने का अंतिम मौका दिया। उप विकास आयुक्त आज स्वच्छ भारत मिशन एवं जल जीवन मिशन की वीभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने प्रखंड समन्वयकों से पंचायतों में सेग्रीगेशन शेड निर्माण की प्रगति की जब जानकारी मांगी। प्रखंड विकास पदाधिकारियों ने बताया कि प्रखंड समन्वयकों ने उनसे कोई चर्चा नहीं की है। इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्होंने सभी प्राखंड समन्वयकों एवं जिला समन्वयकों को अपनी कार्य प्रणाली में सुधार लाने का अंतिम मौका दिया। उन्होंने कहा कि यदि 10 दिन में इसमें प्रगति नहीं आएगी तो नई टीम की नियुक्ति की जायेगी। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट, सेनेटरी पार्क, सांसद आदर्श ग्राम योजना, पीएम जनमन, ओडीएफ प्लस, मॉडल कम्युनिटी सेनेटरी कंपलेक्स, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की।

बैठक के बाद उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा की। जिसमें जिले में चल रही योजनाओं की प्रगति, हर घर जल प्रमाण-पत्र की स्थिति तथा लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, पीएचईडी 2 के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुशांत मुखर्जी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी व अन्य लोग मौजूद थे।

चंद्रशेखर आजाद का त्याग और बलिदान हर पीढ़ी के लिए प्रेरणाः राज सिन्हा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विधायक राज सिन्हा ने महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर धनबाद के पॉलीटेक्नीक मोड़ स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, स्वाभिमान, साहस और बलिदान का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर यह सिद्ध किया कि राष्ट्रहित से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। उनका अमर बलिदान देशवासियों, विशेषकर युवाओं को राष्ट्रसेवा, आत्मसम्मान और देशभक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी चंद्रशेखर आजाद के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उनके विचार और संघर्ष भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हुलास दास, रिंकू सिन्हा, वार्ड पार्षद अशोक पाल, वार्ड पार्षद मनोरंजन सिंह, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम रंजन, शंभू सिंह, संजीत सिंह, पप्पू गुप्ता, प्रमोद मित्तल, अमित सिंह, बी.पी. सिन्हा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नई दिल्ली कॉलोनी स्थित पोखरिया में नहाने के दौरान 6 वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनसार थाना क्षेत्र के नई दिल्ली कॉलोनी स्थित पोखरिया में गुरुवार को नहाने के दौरान एक 6 वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है। मृतका की पहचान नई दिल्ली कॉलोनी निवासी संजय धनी की पुत्री पूजा कुमारी के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुरुवार दोपहर पूजा अन्य बच्चों के साथ घर के पास स्थित पोखरिया में नहाने गई थी। खेल-खेल में वह गहरे पानी की ओर बढ़ गई और अचानक डूबने लगी। जब तक अन्य बच्चों ने शोर मचाया और आसपास के लोगों को जानकारी हुई, तब तक काफी देर हो चुकी थी। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने तुरंत बच्ची को पानी में तलाश शुरू की। करीब 10-15 मिनट की मशक्कत के बाद बच्ची को पानी से बाहर निकाला गया। आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पूजा घर की सबसे छोटी संतान थी और अपने हंसमुख स्वभाव के लिए जानी जाती थी। अचानक हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सूचना पर धनसार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।इलाके के लोगों ने बताया कि यह पोखरिया काफी गहरी है और बरसात के दिनों में इसमें पानी भर जाता है। यहां अक्सर बच्चे नहाने आते हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन को ऐसे जलाशयों के आसपास चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा इंतजाम करने चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।इस दर्दनाक हादसे के बाद नई दिल्ली कॉलोनी और आसपास के इलाके में शोक की लहर है।

सीएफआरआई डीएवी मॉडल स्कूल में प्रज्ञान वार्षिकोत्सव का हुआ शानदार आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःडीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई परिसर में गुरुवार को वार्षिकोत्सव प्रज्ञान अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि चीफ साइंटिस्ट सिंफर के प्रो. डॉ पीके मंडल एलएमसी चेयरमैन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मौके पर महुदा के प्राचार्य एसके बाग, मुनीडीह डीएवी की प्राचार्या इंदु प्रसाद, डीएवी बरोरा के प्राचार्य शरद श्रीवास्तव, कुसुंडा के प्राचार्य एके दुबे,सीएफआरआई के वरिष्ठ इंजिनियर मुस्ताक अंसारी मौजूद थे। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नृत्य, संगीत, प्रदर्शन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, आत्मविश्वास एवं भारतीय संस्कृति के प्रति उनके समर्पण को प्रदर्शित करना था।इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या महुआ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ₹प्रज्ञान केवल एक वार्षिकोत्सव नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम, अनुशासन और संस्कारों का उत्सव है। शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करना नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील, जिम्मेदार एवं चरित्रवान नागरिक तैयार करना है जो समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दें। विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।साथ ही उन्होंने संबोधन में कहा कि वार्षिकोत्सव केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का मंच नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम, अनुशासन और सृजनात्मकता का उत्सव है। यह वह अवसर है जब हमारे विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति, खेल और नैतिक मूल्यों में अपनी दक्षता का परिचय देते हैं। उन्होंने डीएवी का अर्थ समझाते हुऐ बताया कि दयानन्द एंग्लो का अर्थ भारतीये सभ्यता और संस्कृति के साथ साथ पाश्चात्य सभ्यता को भी लेकर चलना है।साथ ही उन्होंने कहा कि केवल स्टेट टॉपर ही नही बल्कि हमें देश में भी हर क्षेत्र में सबसे आगे रहना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ₹आज के विद्यार्थियों में अपार क्षमता और असीम संभावनाएं हैं। शिक्षा, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय द्वारा प्रतिभाओं को निखारने के लिए किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं।इस समारोह में नवनिर्मित सभापरिषदीय सदस्यों को भेज देकर उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक और सजग रहने के लिए शपथ दिलाई गई।इस समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में सम्मानित किया गया। विविध कक्षाओं के विद्याथीयों को उनके शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु कक्षा तीसरी से बारहवीं के विद्याथीयों को मेडल और ट्रॉफी देकर उन्हें सम्मानित किया गया। कक्षा नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के 66 बच्चों को पांच सितारा बैज तथा प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया , वर्ग तीसरी से पांचवी तक के 88 बच्चों को शैक्षणिक क्षेत्र में उतकृष्ट प्रदर्शन हेतु, कक्षा छठवीं से कक्षा नवीं तक के 90 विद्यार्थियों को तथा सीबीएस ई- दसवीं एवं बारहवीं तक के 56 बच्चों को उनके 100% रिजल्ट हेतु मेडल जिनमें 90% से ज्यादा अंक लाने वाले विधार्थी शामिल थे।तकरीबन 300 मेडल और ट्रॉफी दे कर उन्हें भविष्य में और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही सीसीए के अन्तर्गत सालों भर विविध प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सर्वश्रेष्ठ हाउस का खिताब वीरजानंद को दिया गया।

668 बेटिकट यात्रियों से वसूला गया 6.45 लाख का जुर्माना

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद रेल मंडल में गुरुवार को मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. इस जांच अभियान में 688 यात्रियों को पकड़ा गया। उनसे 6,45,315 रूपए जुमार्ने के रूप में वसूला गया। पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की हिदायत दी गई चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया` धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा` टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई.

सिंदरी में छात्रों के समर्थन में विरोध मार्च, शिक्षा मंत्री व गृह मंत्री का पुतला दहन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन के दौरान पुलिस की कथित कार्रवाई के विरोध में संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले गुरुवार को सिंदरी में विशाल विरोध मार्च निकाला गया। मार्च नेहरू मैदान से शुरू होकर शहरपुरा भुजा चौक पहुंचा, जहां केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन में विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, छात्रों पर कथित पुलिसिया कार्रवाई की निष्पक्ष जांच, पेपर लीक मामलों के दोषियों पर सख्त कार्रवाई तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर नारेबाजी की।भुजा चौक पर आयोजित नुक्कड़ सभा को कांग्रेस नगर अध्यक्ष राज बिहारी यादव, सीपीएम जिला सचिव विकास कुमार ठाकुर, माले नगर सचिव राजीव मुखर्जी, झामुमो नगर अध्यक्ष परशुराम सिंह, राजद नेता संजीव यादव, गौतम प्रशाद, सुरेश रावत सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज को बल प्रयोग से दबाना उचित नहीं है और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगी। कार्यक्रम में अशोक महतो, शुबल चंद्र दास, संतोष सिंह, नकुल वर्मा, ओम प्रकाश सिंह, पूर्णेंदु सिंह, शिबू राय, अजय सिंह, मुकेश पांडे, राजू पांडे, विमल रवानी, मिथुन मंडल, जितेंद्र शर्मा, प्रमोद कुमार सिन्हा, गोपाल महतो, राजेश मुखर्जी और सुरेश पांडे सहित कई लोग सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

समस्या समाधान के लिए विधायक राज सिन्हा मिले डीसी से

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने गुरुवार को धनबाद शहर की विभिन्न ज्वलंत एवं जनसरोकार से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए उपायुक्त आदित्य रंजन से मिले। विधायक ने कहा कि धनबाद रेलवे स्टेशन के दक्षिणी छोर पर मुख्य मार्ग के किनारे जलजमाव एवं बड़े पैमाने पर कचरे के जमाव से लोग परेशान हैं। इसके समाधान की मांग की। विधायक ने धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर केंदुआ पुल के समीप धंसी सड़क का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि 7 जुलाई को उपायुक्त कार्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में दो दिनों के भीतर कार्य प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया था, किंतु 23 जुलाई तक कोई कार्य प्रारंभ नहीं होना अत्यंत गंभीर विषय है। इस पर उपायुक्त ने तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं बीसीसीएल प्रबंधन से दूरभाष पर बात कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आठ लेन मार्ग के जंक्शन पर लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव एवं जाम की समस्या की ओर भी उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया। बरमसियाझ्र बेलगढ़ियाझ्रकरमाटांड मुख्य सड़क के शीघ्र निर्माण, गया पुल के समीप चौड़ीकरण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त पेवर ब्लॉकों के कारण राहगीरों को हो रही परेशानी तथा शहर के अन्य आधारभूत संरचना संबंधी मुद्दों को भी विस्तार से उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त आदित्य रंजन ने विधायक द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा देते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए।

जमीन और होटल कारोबारी की हत्या करने आए प्रिंस खान के दो गुर्गे गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जमीन व होटल कारोबारी की हत्या के मनसूबे से धनबाद आए दो अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों कुख्यात व भगोड़ा अपराधी प्रिंस खान के गिरोह से जुड़े बताये जाते जा। दोनों अपराधी प्रेंस खान के इशारे पर हत्या के इरादे से आए थे। पुलिस को इसकी भनक धनबाद पुलिस लग गई और दोनों पुलिस के हत्थे चढ़ गए। घटना बुधवार की है। गुरुवार को सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर भूली ओपी क्षेत्र के बी पॉलीटेक्निक के पास जंगल में छापेमारी कर गिरोह से जुड़े दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। दोनों किसी स्थानीय जमीन कारोबारी और होटल व्यवसायी की हत्या की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों के पास से अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, दो जिंदा बम और मोबाइल फोन के साथ पकड़े गए। एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष छापामारी दल ने पोलिटेक्निक के समीप जंगल में कार्रवाई की। मौके से शोएब कुरैशी और गुलाम गौस उर्फ छोटू कुरैशी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों कुख्यात प्रिंस खान गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं और हत्या की वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से वहां एकत्र हुए थे। तलाशी के दौरान गुलाम गौस उर्फ छोटू कुरैशी के पास से दो जिंदा बम, 'मेड इन इटली' अंकित एक अवैध पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। वहीं शोएब कुरैशी के पास से 'किंग केजीएफ' अंकित एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस जब्त किए गए। बरामद कारतूस पर केएफ 7.65 अंकित है। पुलिस की पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे प्रिंस खान गिरोह से जुड़े हैं और एक स्थानीय जमीन कारोबारी व होटल व्यवसायी की हत्या की योजना बना रहे थे। पुलिस के अनुसार गुलाम गौस ने यह भी बताया कि वह व्हाट्सएप के माध्यम से गोपी खान और प्रिंस खान के लगातार संपर्क में था। इस मामले में भूली ओपी थाना क्षेत्र में भारतीय न्याय संहित, आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क और फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

विलंब होने पर संवेदक को लगाई फटकार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज ने गुरुवार को सदर अस्पताल एवं सिविल सर्जन कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय एवं परिसर को सुव्यवस्थित एवं व्यवस्थित ढंग से रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सदर अस्पताल परिसर में भवन निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कार्य में विलंब पाए जाने पर उन्होंने संवेदक को फटकार लगाते हुए कार्य को निर्धारित समय सीमा के अंदर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता एवं संवेदक को नियमित निगरानी करते हुए कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने डीपीएम को नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित रूप से अस्पताल परिसर की साफसफाई सुनिश्चित करने एवं परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित तथा मरीजों एवं आमजनों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान नव निर्मित पार्किंग शेड का भी अवलोकन किया गया तथा सहायक अभियंता से पार्किंग व्यवस्था को सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। ताकि मरीजों के साथ आने वाले परिजनों एवं आमजनों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। संबंधित अधिकारियों एवं संवेदक को पार्किंग शेड का कार्य शीघ्र पूर्ण कर उपयोग में लाने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों की नियमित निगरानी करने, गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया।

सीआईएसएफ व प्रबंधन ने इंडस्ट्री कोलियरी स्थित कुर्मी बस्ती से भारी मात्रा में किया कोयला जब्त

झरिया : बस्ताकोला क्षेत्र में सीआईएसएफ और प्रबंधन ने गुरुवार को इंडस्ट्री कोलियरी कुर्मी बस्ती में संयुक्त छापेमारी कर अवैध रूप से जमा करीब एक हजार टन कोकिंग कोयला बरामद किया है। जब्त किया गया कोयला ऐना कोलियरी प्रबंधन को सौंप दिया गया।क्षेत्र में लंबे समय से कोयला तस्कर सक्रिय थे. खदानों से ट्रकों के माध्यम से कोयला लाकर यहां मैदान में स्टोर किया जाता था,इसके बाद जेसीबी मशीन की मदद से रोजाना दर्जनों ट्रकों में लादकर कोयला को बाहर भेजा जा रहा था।केंद्र सरकार के कोयला चोरी पर सख्ती के निर्देश के बाद सीआईएसएफ ने इस क्षेत्र में छापेमारी शुरू की।हालांकि कोयला जब्त के दौरान शाम को मशीन मे तकनिकी खराबी आने के कारण कोयला उठाव का कार्य रुक गया है। तकनिकी खराबी दूर कर दोबारा जब्त कोयला उठाव होने की बात कही जा रही हैं।इस दौरान किसी भी उपद्रवी से निपटने के लिए सीआईएसएफ जवान मुस्तैद दिखें।बुधवार को भी सीआईएसएफ जवानों ने कुर्मी बस्ती स्थित मैदान में मिट्टी में दबाए गए लाखों रुपये मूल्य के कोयले की छापेमारी की थी।जवानों ने जेसीबी मशीन से कोयला निकालना शुरू किया था, लेकिन कुछ देर बाद अज्ञात आदेश पर अभियान अचानक रोक दिया गया था और जवान वापस लौट गए थे।इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।मामला सार्वजनिक होने के बाद गुरुवार को सीआईएसएफ और बीसीसीएल प्रबंधन ने दोबारा संयुक्त छापेमारी कर मिट्टी से ढक कर रखें करीब एक हजार टन कोयला को बरामद किया है।

कौन हैं कोल तस्कर बिनोद

क्षेत्र में चर्चा है कि बिनोद नामक व्यक्ति को इस अवैध कोयला गोरखधंधे का मुख्य सूत्रधार है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिनोद की बीसीसीएल अधिकारियों, पुलिस और सीआईएसएफ तक अच्छी पहुंच है। उसी के इशारे पर यह धंधा फल-फूल रहा था।कुछ वर्ष पहले टूटी मोटरसाइकिल पर घूमने वाला बिनोद आज दो बाइक और एक स्कॉर्पियो का मालिक बन चुका है।स्थानीय लोगों की मांग है कि इस पूरे गैंग की गहन जांच होनी चाहिए, ताकि बड़े-बड़े संरक्षकों और तस्करों की पोल खुल सके।

बीसीसीएल और सीआईएसएफ दोनों पक्ष इस मामले में एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आए, लेकिन अब दोनों ने संयुक्त कार्रवाई का दावा कर रहे है।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

संक्षिप्त खबरें

अदालत ने दिया साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को 7 हजार रुपये लौटाने का आदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : साइबर अपराध मामले के विशेष न्यायाधीश श्याम नंदन तिवारी की अदालत ने गुरुवार को साइबर ठगी के एक मामले में पीड़ित को राहत देते हुए फ्रीज की गई 7000 रुपये की राशि लौटाने का आदेश दिया है। अदालत ने पीड़ित सुरेंद्र चौधरी की ओर से दाखिल याचिका की सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। मामले में साइबर क्राइम थाना की जांच के दौरान बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक के तीन खातों में कुल 7000 रुपये फ्रीज किए गए थे। जांच में ये लाभार्थी खाते फर्जी पाए गए और किसी ने भी राशि पर दावा नहीं किया।साइबर थाना ने भी अपनी रिपोर्ट में पीड़ित को रकम लौटाने की अनुशंसा की थी। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता साइबर ठगी का शिकार है, इसलिए उसकी राशि अनावश्यक रूप से फ्रीज रखना उचित नहीं है। अदालत ने पीड़ित को जांच में सहयोग करने और आवश्यकता पड़ने पर राशि प्रस्तुत करने की शर्त लगाई।

गवाहों के बयान में विरोधाभास, जानलेवा हमले के आरोप बरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : अपर न्यायायुक्त शैलेंद्र कुमार की अदालत ने नौ साल पुराने जानलेवा हमला मामले में आरोपी जगदीश महतो उर्फ पशुवा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि शिकायतकर्ता और उसके भाई की गवाही में गंभीर विरोधाभास है, जिसका लाभआरोपी को मिला। मामला सिल्ली थाना कांड संख्या 121/2017 से जुड़ा था। मामले के अनुसार, 2 दिसंबर 2017 को होटल की दीवार तोड़ने का नाम उजागर करने से नाराज होकर आरोपी ने शिकायतकर्ता मलिंद्र महतो और उसके भाई पर धारदार हथियार से हमला किया था। पुलिस ने जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की थी।ट्रायल के दौरान पांच गवाहों की गवाही कराई गई। होटल मालिक भी अभियोजन के मुख्य आरोप का समर्थन नहीं कर सके। जिस चाकू से हमला किए जाने की बात कही गई, उसे जांच अधिकारी ने जब्त नहीं किया और घटनास्थल से भी कोई भौतिक साक्ष्य एकत्र नहीं किया गया। इन कमियों के कारण अदालत ने कहा कि अभियोजन आरोप संदेह से परे साबित करने में विफल रहा और आरोपी को बरी कर दिया।

1961 में अधिग्रहित जमीन वापस नहीं मिलेगी, हाईकोर्ट ने याचिका की खारिज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने धनबाद के पाथरडीह कोल वाशरी के लिए वर्ष 1960-61 में अधिग्रहित जमीन को मूल रैयतों के वारिसों को लौटाने को लेकर दायर याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने कहा कि जमीन का अधिग्रहण कानून के अनुसार किया गया था, मुआवजा भी दिया गया था और इतने वर्षों बाद इस प्रक्रिया को चुनौती देने का कोई आधार नहीं बनता। प्रार्थियों ने दावा किया था कि उनके पूर्वजों की करीब 200 एकड़ कृषि भूमि पाथरडीह कोल वाशरी के निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई थी। उनका कहना था कि बहुत कम मुआवजा दिया गया, पुनर्वास या नौकरी का लाभ नहीं मिला और जमीन का बड़ा हिस्सा अब भी खाली पड़ा है।इसलिए, अनुपयोगी भूमि उन्हें वापस की जाए। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि बीसीसीएल इस जमीन को निजी कंपनी मोनेट इस्पात एंड एनर्जी लिमिटेड को देने की तैयारी कर रहा है। राज्य सरकार और बीसीसीएल ने अदालत को बताया कि जमीन का अधिग्रहण भूमि अधिग्रहण अधिनियम की सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए किया गया था। धारा-4 की अधिसूचना जारी हुई, धारा 5-ए के तहत आपत्तियां आमंत्रित की गईं, अवार्ड पारित हुआ और प्रभावित लोगों को मुआवजा भी दिया गया। बीसीसीएल ने यह भी स्पष्ट किया कि जमीन किसी निजी कंपनी को हस्तांतरित नहीं की गई है। मोनेट कंपनी को केवल पाथरडीह कोल वाशरी के निर्माण, संचालन और रखरखाव का अनुबंध दिया गया था।

किसान कांग्रेस ने किसानों के बीच बांटा काला नमक धान का बीज, 90 रुपये प्रति किलो खरीद का आश्वासन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : किसान कांग्रेस कमेटी, झारखंड के तत्वावधान में गुरुवार को धुर्वा में लापुंग प्रखंड से आए किसानों के बीच काला नमक धान का बीज वितरित किया गया। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सुभाष कुमार ने किसानों को पारंपरिक धान के साथ काला नमक धान की खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसान इस वर्ष काला नमक धान की खेती करें।अगले वर्ष फसल तैयार होने पर किसान कांग्रेस की ओर से इसका 90 रुपये प्रति किलो की दर से खरीद की जायेगी।उन्होंने बताया कि सामान्य धान किसानों को 20 से 25 रुपये प्रति किलो के भाव पर बेचना पड़ता है, जबकि काला नमक धान की खेती से उन्हें कहीं अधिक लाभ मिलेगा।सुभाष कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष खूंटी जिले में भी किसानों के बीच काला नमक धान का बीज वितरित किया गया था। वहां किसानों ने अच्छी पैदावार ली और किसान कांग्रेस ने उनके उत्पाद की 90 रुपये प्रति किलो की दर से खरीद की। कई किसानों ने नौ से दस क्विंटल तक काला नमक धान उपलब्ध कराया था।उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और उन्हें लाभकारी खेती की ओर प्रोत्साहित करना है।किसान कांग्रेस भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को उन्नत एवं मूल्यवान फसलों की खेती के लिए प्रेरित करती रहेगी।

बड़कागांव में विधायक ने बांटी 122 विद्यार्थियों की साइकिल,विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई कर लक्ष्य को करें हासिल : रोशनलाल चौधरी

हजारीबाग (एजेंसी) : बड़कागांव के पीएम श्री मध्य विद्यालय में साइकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया।इसकी अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अशोक कुमार एवं संचालन चेतलाल राम ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रोशन लाल चौधरी , विशिष्ट अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा को प्रधानाध्यापक अशोक कुमार ने पुष्प गुच्छा देकर स्वागत किया गया। इसके बाद विधायक रोशन लाल चौधरी व संदीप कुशवाहा द्वारा झारखंड सरकार द्वारा साइकिल वितरण योजना के तहत आठवीं क्लास के 122 विद्यार्थियों को साइकिल दिया गया। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी प्रतिदिन स्कूल आकर पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य को हासिल करें।इसीलिए यह साइकिल दी जा रही है। श्री चौधरी ने यह यह भी कहा कि विद्यार्थियों के उत्क्रमित विकास के लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही है।विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करें. अभिभावक भी अपने बच्चों को समय पर स्कूल भेजें।शिक्षक भी बच्चों को पठन पाठन के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं खेल करावे।

उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय में जर्जर भवनों के स्थान पर नए भवन निर्माण किया जाएगा। मौके पर प्रधानाध्यापक अशोक कुमार, शिक्षक चेतलाल राम ,विनोद रजक, दीपक राणा, हेमेंद्र कुमार ,नीलू कुमारी, निगर सुलताना, रामवृक्ष राम, कार्तिक सोनी, रवि कुमार रवि,संजय सागर ,राजू कुमार, देवेंद्र कुमार, तुलसी महतो,मोहम्मद जमशेद अंसारी, कैसर अंजुम, चंद्रामती वर्मा, शकुंतला कुमारी, पुष्पा कुमारी, रजनी कुमारी, संतोषी कुमारी ,बसंती देवी, मिताली कुमारी आदि मौजूद थे।

पंचायत स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप में 136 युवाओं को मिला लर्निंग लाइसेंस

पलामू : परिवहन विभाग, झारखंड के निदेर्शानुसार गुरुवार को मनातू प्रखंड के मंझौली-1 पंचायत क्लस्टर में पंचायत स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में प्रेस विज्ञप्ति जारी होने तक 182 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 136 युवाओं को ऑन-द-स्पॉट लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया।इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने लाभुकों को लर्निंग लाइसेंस वितरित करते हुए यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट व सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की। साथ ही सड़क सुरक्षा, गुड सेमेरिटन योजना एवं हिट एंड रन मुआवजा योजना की जानकारी देते हुए दुर्घटना की स्थिति में घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।कैंप में आवेदकों की सुविधा के लिए आवश्यक तकनीकी संसाधन एवं पर्याप्त कंप्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध कराए गए, जिससे आवेदन एवं लाइसेंस निर्गत करने की प्रक्रिया सुगमता से संपन्न हुई।

केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री से मिले आजसू प्रमुख सुदेश महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची रेल मंडल अंतर्गत किता-सिल्ली रेलखंड पर विकास कार्य को लेकर ब्लॉक लिया जायेगा।इस कारण ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।ट्रेन संख्या 58663/58664 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर व ट्रेन संख्या 58665/58666 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर 24 जुलाई को रद्द रहेगी।वहीं, ट्रेन संख्या 13503/13504 बर्द्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस 24 जुलाई को गोमो स्टेशन तक ही आयेगी और वहीं से रवाना होगी।इस ट्रेन का गोमो-हटिया के बीच परिचालन रद्द रहेगा।ट्रेन संख्या 18035/18036 खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस 24 जुलाई को आद्रा स्टेशन तक ही आयेगी और वहीं से रवाना होगी।इस ट्रेन का आद्रा-हटिया के बीच परिचालन रद्द रहेगा।ट्रेन संख्या 63598/63597 आसनसोल-रांची मेमू पैसेंजर 24 जुलाई को मुरी स्टेशन तक ही आयेगी और वहीं से रवाना होगी. इस ट्रेन का मुरी-रांची के बीच परिचालन रद्द रहेगा।खड़गपुर रेल मंडल के बालीचक यार्ड में आरओबी (रेल ऊपरी पुल) के लांचिंग कार्य को लेकर ट्रैफिक ब्लॉक लिया जायेगा। इस कारण ट्रेन संख्या 18615/18616 हावड़ा-हटिया-हावड़ा एक्सप्रेस 19 सितंबर को रद्द रहेगी।हावड़ा लिंक केबिन पर विकास कार्य को लेकर रांची रेल मंडल से चलने वाली ट्रेन प्रभावित रहेगी।ट्रेन संख्या 18615 हावड़ा-हटिया क्रियायोगा एक्सप्रेस 24 एवं 25 जुलाई को संतरागाछी स्टेशन तक ही जायेगी और वहीं से रवाना होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने राजनगर के ग्राम बांदुवा को दी उप स्वास्थ्य केंद्र की सौगात

सरायकेला (एजेंसी) : ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ग्राम बांदुवा में उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चम्पाई सोरेन ने विधिवत भूमि पूजन कर किया।इस अवसर पर चम्पाई सोरेन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से बांदुवा एवं आसपास के गांवों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। इससे लोगों को सामान्य उपचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना समय की आवश्यकता है और सरकार इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। उप स्वास्थ्य केंद्र बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उनका समय और खर्च दोनों की बचत होगी।पूर्व सीएम ने इस मौके पर राज्य सरकार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में सरायकेला में एक बड़ा 100 बेड का अस्पताल बनवाया था, जिसका भवन डेढ़ साल से बन कर तैयार है, लेकिन सरकार उसे शुरू ही नहीं करना चाहती है। इस कार्यक्रम में मुखिया राजो टुडू, दिलीप राउत, लिपू मोहंती, सानंद आचार्या, करमू पान, सुराई मुर्मू, मनसुख कुजूर, राकेश सतपति, गोरा सतपति, डोबरा देवगम, कृष्णा मार्डी, विक्रम मार्डी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

तोरपा ज्वेलरी-शराब दुकान चोरी का उद्भेदन, अंतरप्रांतीय गिरोह के 4 शातिर अपराधी गिरफ्तार

खूंटी (एजेंसी) : खूंटी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। तोरपा थाना क्षेत्र में पांच दिन पूर्व ज्वेलरी और शराब दुकान में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। खूंटी एसपी ऋषभ गर्ग को मिली गुप्त सूचना पर एसआईटी ने जमशेदपुर और आदित्यपुर में छापेमारी कर अंतरप्रांतीय गिरोह के 4 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। चोरी का माल, शराब और घटना में प्रयुक्त अर्टिगा कार भी बरामद की गई है।पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 22 जुलाई को मिली गुप्त सूचना के बाद एसडीपीओ तोरपा विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर में दबिश देकर चारों आरोपियों को खदेड़ कर पकड़ा।गिरफ्तार शातिर आरोपियों में दीपक कुमार सिंह उर्फ कल्लू सरदार, निवासी देवनगर सीतारामडेरा, मो0 अफरोज, निवासी आजाद बस्ती मानगो, बाबू पिल्ले, निवासी कैरेज कॉलोनी वर्मा माइंस और अजय शर्मा, निवासी मांझी टोला आदित्यपुर शामिल है। पूछताछ में चारों अपराधियों ने तोरपा में हुई चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।आरोपियों से भारी मात्रा में चांदी के आभूषण, ब्लेंडर्स प्राइड शराब की 4 पेटियां यानी 84 बोतलें, सफेद कार, फर्जी नंबर प्लेट, 3 फीट का कटर, 2.5 फीट का सबल, 4 मोबाइल, टोपी और मास्क बरामद किया गया है।मुख्य आरोपी कल्लू सरदार पर जमशेदपुर के विभिन्न थानों में हत्या और डकैती के 7 मामले दर्ज हैं। बाबू पिल्ले पर रांची एयरपोर्ट और परसुडीह में आर्म्स एक्ट और लूट के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।छापेमारी दल में एसडीपीओ तोरपा विजय कुमार सिंह, थाना प्रभारी मनीष कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

जेपीएससी के निवर्तमान अध्यक्ष एल ख्यांग्ते के कांके रोड स्थित आवास पर सीआईडी की रेड

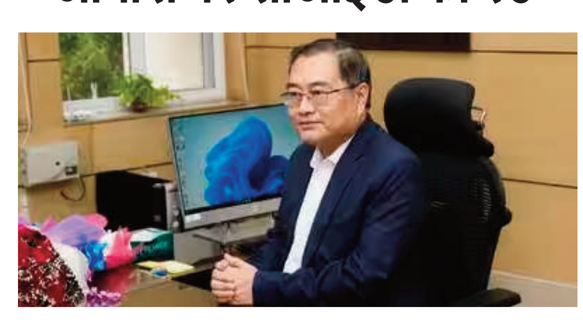

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : जेपीएससी के निवर्तमान अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते के कांके रोड स्थित आवास पर सीआईडी ने रेड की है।यह रेड अभी जारी है। जेपीएससी परीक्षा में हुई धांधली की कई शिकायतों के बाद सरकार ने इस पुरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जेपीएससी के अधिकारियो के विरुद्ध कार्रवाई की है।गुरुवार को दोपहर में अचानक सीआईडी की कई टीमें एल ख्यांग्ते के आवास पहुंच कर छापेमारी कर रही है।सीआईडी की टीम एल ख्यांग्ते के आवास पहुंची और सीधे उनके घर के अंदर पहुंच कर छापेमारी शुरू कर दी।छापेमारी के दौरान भारी पुलिस बल को भी तैनात किया गया है और किसी भी व्यक्ति को बाहर आने- जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।एल ख्यांग्ते के आवास पर रेड कर रही सीआईडी की टीम में एसपी, डीएसपी और इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी शामिल हैं।

रांची में नीट प्रदर्शन हिंसकः भाजपा कार्यालय के बाहर पथराव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड की राजधानी रांची में नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस द्वारा भाजपा प्रदेश कार्यालय के घेराव के दौरान हरमू इलाके में राजनीतिक तनाव चरम पर है। कांग्रेस कार्यकताओं ने हरमू मैदान से मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने उन्हें भाजपा कार्यालय से पहले बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इसके बाद कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और नीट मामले में तुरंत कार्रवाई की मांग की।

दूसरी ओर, भाजपा कार्यालय के बाहर पहले से मौजूद भाजपा कार्यकताओं ने जवाबी नारेबाजी की, जिससे माहौल और गर्म हो गया। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के बीच अंडे और टमाटर फेंकने शुरू हो गए, जो जल्द ही पथराव में बदल गए। इस झड़प में कई मीडियाकर्मियों के घायल होने की खबर है, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालात बिगड़ते देख ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी सहित कई वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस ने मोर्चा संभाला और अतिरिक्त बल तैनात कर दोनों पक्षों को नियंत्रित किया। लंबे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता वापस लौट गए और भाजपा कार्यकर्ता भी तितर-बितर हो गए। एहतियातन भाजपा कार्यालय और आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और कानून व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है।

देवघर श्रावणी मेला : रांची होकर चलेगी इतवारी-मधुपुर स्पेशल ट्रेन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : श्रावणी मेला के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों और कांवरियों की सुविधा के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-मधुपुर साप्ताहिक श्रावणी मेला स्पेशल (वाया-रांची) ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।ट्रेन संख्या 08895 एक से 29 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार को इतवारी स्टेशन से चलेगी।इस ट्रेन का इतवारी प्रस्थान सुबह 04:30 बजे, गोंदिया प्रस्थान सुबह 6:30 बजे, दुर्ग प्रस्थान सुबह 8:37 बजे, रायपुर प्रस्थान सुबह 9:35 बजे, बिलासपुर प्रस्थान सुबह 11:50 बजे, झारसुगुड़ा प्रस्थान शाम 4:17 बजे, राउरकेला प्रस्थान शाम 6:30 बजे, ओड़गा प्रस्थान शाम 7:12 बजे, बानो प्रस्थान शाम 7:40 बजे, पोकला प्रस्थान रात 8:07 बजे, हटिया प्रस्थान रात 8:50 बजे, रांची प्रस्थान रात 9:20 बजे, मुरी प्रस्थान रात 10:47 बजे, झालदा प्रस्थान रात 11:05 बजे, कोटशिला प्रस्थान रात 11:30 बजे, बोकारो स्टील सिटी प्रस्थान रात 12:10 बजे, धनबाद प्रस्थान रात 2:20 बजे, चितरंजन प्रस्थान सुबह 4:16 बजे एवं मधुपुर आगमन सुबह 6:00 बजे होगा.

वहीं, ट्रेन संख्या 08896 दो से 30 अगस्त तक प्रत्येक रविवार को मधुपुर से खुलेगी। इस ट्रेन का मधुपुर प्रस्थान सुबह 9:00 बजे, चितरंजन प्रस्थान सुबह 9:40 बजे, धनबाद प्रस्थान दोपहर 12:15 बजे, बोकारो स्टील सिटी प्रस्थान दोपहर 2:40 बजे, कोटशिला प्रस्थान दोपहर 3:20 बजे, झालदा प्रस्थान दोपहर 3:35 बजे, मुरी प्रस्थान शाम 4:02 बजे, रांची प्रस्थान शाम 5:50 बजे, हटिया प्रस्थान शाम 6:10 बजे, पोकला प्रस्थान शाम 7:02 बजे, बानो प्रस्थान शाम 7:30 बजे, ओड़गा प्रस्थान रात 8:07 बजे, राउरकेला प्रस्थान रात 9:33 बजे, झारसुगुड़ा प्रस्थान रात 11:40 बजे, बिलासपुर प्रस्थान सुबह 3:30 बजे, रायपुर प्रस्थान सुबह 5:25 बजे, दुर्ग प्रस्थान सुबह 6:22 बजे, गोंदिया प्रस्थान सुबह 8:27 बजे एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्टेशन आगमन सुबह 11:50 बजे होगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व जिप अध्यक्ष स्व.बिंदी यादव की छठी पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया जी : जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय बिंदेश्वरी प्रसाद यादव उर्फ बिंदी यादव की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, पंचायत प्रतिनिधियों तथा आम लोगों ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।श्रद्धांजलि सभा में बेलागंज की विधायक मनोरमा देवी, जिला परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. शीतल प्रसाद यादव सहित बड़ी संख्या में लोग ने स्वर्गीय बिंदी यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि बिंदी यादव ने जिला परिषद के अध्यक्ष रहते हुए ग्रामीण विकास, जनसेवा और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उनके सरल स्वभाव, जनहित के प्रति समर्पण और विकासोन्मुख सोच को आज भी लोग याद करते हैं।

सभा में पूर्व सांसद विजय मांझी, पूर्व सांसद हरि मांझी, पूर्व विधायक कृष्णनंदन यादव,जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा सहित विभिन्न दलों के नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में जिला परिषद की अध्यक्ष नैना देवी, जिला परिषद के सभी सदस्य, प्रमुख, उप प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया, वार्ड सदस्य तथा बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कायार्देश के चार माह बाद भी शुरू नहीं हुआ पीसीसी सड़क निर्माण

मुख्य पार्षद ने बुडको से की कड़ी कार्रवाई की मांग

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया जी): नगर पंचायत फतेहपुर के वार्ड संख्या 11 स्थित घोड़ियाटांड़ रविदास टोला से अंदर बाजार डैम रोड तक प्रस्तावित पीसीसी सड़क निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी को लेकर मुख्य पार्षद रवि कुमार ने बुडको के परियोजना निदेशक को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने वाले संवेदक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आवश्यकता पड़ने पर ब्लैकलिस्ट करने की भी मांग की है। मुख्य पार्षद ने अपने पत्र में कहा है कि मुख्यमंत्री शहरी समग्र विकास योजना के तहत उक्त सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद संवेदक को कार्यादेश 30 मार्च 2026 को जारी किया गया था। नियमानुसार चार माह के भीतर निर्माण कार्य पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन 22 जुलाई तक संवेदक ने काम शुरू तक नहीं किया। उन्होंने बताया कि बरसात के कारण सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह बने गड्ढों और कीचड़ से स्थानीय लोगों, महिलाओं, बुजुर्गों तथा स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे क्षेत्र के लोगों में काफी नाराजगी है और जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्हें लगातार शिकायतों और विरोध का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य पार्षद ने परियोजना निदेशक से मांग की है कि संबंधित एजेंसी को तत्काल निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया जाए। यदि एजेंसी शीघ्र कार्य प्रारंभ नहीं करती है तो उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करते हुए ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि जनहित की इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराया जा सके।

सतर्क रहें, सुरक्षित रहें: छात्राओं को मानव तस्करी और बाल श्रम से बचाव का पढ़ाया गया पाठ

उन्मूलन सप्ताह के तहत मॉडल स्कूल में फतेहपुर थाना ने चलाया जागरूकता अभियान

फतेहपुर (गया जी): मानव तस्करी, बाल श्रम एवं बंधुआ मजदूरी उन्मूलन सप्ताह के तहत शुक्रवार को फतेहपुर स्थित सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल) प्लस टू प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। फतेहपुर थाना की पहल पर आयोजित इस अभियान में छात्राओं को मानव तस्करी, बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी जैसी गंभीर सामाजिक बुराइयों से बचाव, उनके कानूनी पहलुओं तथा सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फतेहपुर थाना के सब इंस्पेक्टर सोनू कुमार एवं संदीप कुमार ने कहा कि मानव तस्कर अक्सर लालच, झूठे रोजगार और बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या प्रलोभन की जानकारी बिना देर किए पुलिस को दें। साथ ही उन्होंने बताया कि बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी कानूनन दंडनीय अपराध हैं, जिनके खिलाफ समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सजग रहना चाहिए।अभियान में प्राचार्य उमेश कुमार, महिला पुलिस बल, सामाजिक कार्यकर्ता टोटो भाई, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मानव तस्करी, बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी जैसी कुरीतियों के उन्मूलन के लिए जागरूकता फैलाने तथा समाज को सुरक्षित बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

बांकीपुर को सलाहकार नहीं, सेवादार की जरूरत है : ऋतुराज सिन्हा

पटना, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान करबिगहिया और चांदपुर बेला में गुरुवार को आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव किसी राजनीतिक प्रयोग या किसी व्यक्ति की महत्वाकांक्षा का नहीं, बल्कि बांकीपुर के विकास और जनता के विश्वास का चुनाव है। बांकीपुर उपचुनाव में जनसुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर वर्षों तक दूसरों को चुनाव जिताने की रणनीति बनाते रहे, लेकिन अब बांकीपुर को अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बांकीपुर की जनता किसी सलाहकार के प्रयोग का हिस्सा नहीं बनेगी।भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री सिन्हा ने कहा, ₹बांकीपुर को सलाहकार नहीं, सेवादार की जरूरत है।₹ जनता ऐसे प्रतिनिधि को चुनेगी जो चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर दिन जनता के बीच रहे, उनके सुख-दुख में सहभागी बने और विकास के लिए जवाबदेही के साथ काम करे।

छह महीने में 55 चोरी के मामलों का उद्भेदन, 80 अपराधियों को भेजा गया सलाखों के पीछे

आरपीएफ आईजी की मॉनिटरिंग व वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर लगातार चल रहा विशेष अभियान

पिछले दिन गया जंक्शन से चोरी के तीन मोबाइल व नकदी के साथ दो शातिर गिरफ्तार

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वर्ष 2026 में जनवरी से अब तक यात्री सामान चोरी से जुड़े करीब 55 मामलों का सफल उद्भेदन किया जा चुका है। इस दौरान 80 अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेजा गया है। आरपीएफ व जीआरपी की टीम ने पिछले दिन बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से यात्रियों से चोरी किए गए तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन और चार हजार रुपये नकद बरामद किए गए। आरोपितों से पूछताछ के बाद उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व मध्य रेलवे के आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार की मॉनिटरिंग तथा डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के निर्देश पर गया आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में गया जंक्शन क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पिछले दिन कार्रवाई के दौरान

आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 के दिल्ली छोर पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूमते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोककर पूछताछ की और तलाशी ली।

पूछताछ में दोनों ने अपनी पहचान पुलिंद कुमार, ग्राम गउधार पवना, थाना नासरीगंज, जिला रोहतास तथा मुन्ना आलम, ग्राम बारा, जिला गया के रूप में बताई। तलाशी के दौरान पुलिंद कुमार के पास से एक छोटे भूरे रंग के पर्स में रखे दो लॉक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुए। वहीं मुन्ना आलम के कुर्ते की जेब से एक स्क्रीन टच एंड्रॉयड मोबाइल और चार हजार रुपये नकद बरामद किए गए। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने स्वीकार किया कि मोबाइल फोन और नकदी गया जंक्शन पर रेल यात्रियों से चोरी की गई थी।

आरपीएफ के अनुसार यह कार्रवाई आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव तथा सीआईबी इंस्पेक्टर चंदन कुमार और रेल थानाध्यक्ष शिवकुमार के संयुक्त नेतृत्व में की गई।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने सामान पर विशेष नजर रखें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, लावारिस वस्तु या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत आरपीएफ या जीआरपी को दें। अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन यात्री सुरक्षा आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और अपराधमुक्त यात्रा का माहौल उपलब्ध कराया जा सके।

आजाद और तिलक का जीवन त्याग, स्वाभिमान, राष्ट्रसेवा अमूल्य विरासत है : मुख्य पार्षद

फतेहपुर में दोनों महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक किया गया नमन

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) :फतेहपुर में गुरुवार को महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद और स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रदूत लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दोनों राष्ट्रनायकों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर नगर पंचायत फतेहपुर के मुख्य पार्षद रवि कुमार ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का अदम्य साहस, निर्भीकता और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। वहीं लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने ₹स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा₹ के अमर उद्घोष से स्वतंत्रता आंदोलन में नई चेतना और ऊर्जा का संचार किया।उन्होंने कहा कि आजाद और तिलक का जीवन त्याग, स्वाभिमान, राष्ट्रसेवा और संघर्ष की अमूल्य विरासत है। उनके विचार वर्तमान पीढ़ी को राष्ट्रनिर्माण, सामाजिक दायित्वों के निर्वहन और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रेरणा देते हैं। लोगों से आह्वान किया गया कि वे सत्य, कर्तव्य और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सेविका बहाली में मैपिंग पर फिर विवाद, डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग

आवेदक ने वर्ष 2026 की मैपिंग को बताया नियमों के विरुद्ध

2019 के विज्ञापन के आधार पर बहाली का हवाला,एक ही परिवार के नाम

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) :फतेहपुर प्रखंड की चरोखरी पंचायत के वार्ड संख्या-14 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र सिमराटाड़ (कोड संख्या-41) में सेविका बहाली को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। एक आवेदक के पति मनोज कुमार ने जिला पदाधिकारी गया तथा जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस), गया को अलग-अलग आवेदन देकर मैपिंग प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने के साथ जांच पूरी होने तक बहाली प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि सेविका बहाली वर्ष 2019 के विज्ञापन के आधार पर होनी है, जबकि वर्तमान में वर्ष 2026 की जनसंख्या के अनुसार नई मैपिंग तैयार कर बहाली की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है, जो विभागीय नियमों के विपरीत है। आरोप है कि मैपिंग पंजी में एक ही परिवार के सदस्यों को अलग-अलग वार्डों में दशार्या गया है तथा एक ही परिवार का नाम दो स्थानों पर दर्ज कर पिछड़ा वर्ग की आबादी कृत्रिम रूप से बढ़ाई गई है, जबकि संबंधित केंद्र वास्तविक रूप से अनुसूचित जाति बहुल है।आवेदक ने आवेदन में उल्लेख किया है कि इस विवाद को लेकर अब तक तीन सामान्य एवं तीन विशेष आम सभाएं आयोजित की जा चुकी हैं। तीनों विशेष आम सभाओं में प्रतिनियुक्त अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण के दौरान कथित अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही रद्द कर दी थी। साथ ही, पूर्व में की गई शिकायत पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कार्यालय ने संबंधित अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर आवश्यक सुधार करने का निर्देश भी दिया था।आरोप है कि बाद में जांच टीम ने बिना वास्तविक सत्यापन और शिकायतकर्ता की उपस्थिति के केवल औपचारिकता निभाते हुए जांच पूरी होने की बात कह दी। आवेदक का कहना है कि न तो मैपिंग का निष्पक्ष सत्यापन किया गया और न ही शिकायत के बिंदुओं की गंभीरता से जांच हुई। दोनों आवेदन में दोषी अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामला: पटना हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सुरक्षित रखने का दिया निर्देश

पटना, (एजेंसी) :चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में पटना हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने मामले से जुड़े सभी महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है, ताकि जांच के दौरान किसी भी अहम सबूत से छेड़छाड़ या उसके नष्ट होने की आशंका न रहे। न्यायमूर्ति अरुण कुमार झा की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान विशेष रूप से भरत भूषण तिवारी से संबंधित सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डेटा और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को संरक्षित रखने का निर्देश दिया। अदालत का मानना है कि निष्पक्ष जांच के लिए इन साक्ष्यों का सुरक्षित रहना अत्यंत आवश्यक है। यह आपराधिक रिट याचिका भरत भूषण तिवारी की मां आशा देवी ने दायर की है। याचिका

में उनके बेटे की मौत को कथित फर्जी पुलिस मुठभेड़ बताते हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। याचिका के अनुसार, 17 जून 2026 को हुई पुलिस कार्रवाई के दौरान भरत भूषण तिवारी की मौत हुई। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने पहले ही पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था, इसके बावजूद उन्हें गोली मार दी गई। याचिकाकर्ता ने अदालत से घटना से जुड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक और दस्तावेजी साक्ष्यों को सुरक्षित रखने, संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने तथा मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अथवा हाई कोर्ट की निगरानी में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार ने अदालत में दलील दी कि वीडियो फुटेज, मोबाइल डेटा और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मामले की निष्पक्ष जांच के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा इनके नष्ट होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। दलीलों पर सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को सभी आवश्यक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का निर्देश देते हुए तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि जून 2026 में सामने आया भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामला पूरे बिहार में चर्चा का विषय बना था। पुलिस का दावा है कि कार्रवाई आत्मरक्षा में की गई थी, जबकि परिजनों का आरोप है कि आत्मसमर्पण के बावजूद भरत भूषण तिवारी की गोली मारकर हत्या की गई। मामले की सच्चाई अब न्यायिक प्रक्रिया और जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी।

जेपी सेनानियों की लंबित मांगों को लेकर विधायक छोटी कुमारी ने सदन में उठाया मुद्दा

सारण,(एजेंसी) : बिहार विधानसभा में छपरा क्षेत्र की विधायक छोटी कुमारी ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से सदन में जेपी सेनानियों एवं उनके आश्रितों के सम्मान और कल्याण का मुद्दा उठाया।

प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने बताया कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन में शामिल कई सेनानी आज भी सरकारी सुविधाओं से वंचित हैं।

विधायक छोटी कुमारी ने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि पुराने सरकारी अभिलेख उपलब्ध न होने के कारण कई पात्र सेनानियों को अब तक उचित सम्मान और अधिकार नहीं मिल सका है। वर्तमान में कई जीवित जेपी सेनानी गंभीर आर्थिक व सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं वहीं दिवंगत सेनानियों की विधवा पत्नियां भी पेंशन लाभ से वंचित हैं।

उन्होंने सरकार से मांग की कि सभी पात्र सेनानियों को अविलंब योजना का लाभ दिया जाए तथा जेपी सेनानी सम्मान योजना परिषद में वर्षों से लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाए।

विधायक ने स्पष्ट कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले इन योद्धाओं को सम्मान देना सरकार का नैतिक दायित्व है, जिस पर शीघ्र ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

श्री चित्रगुप्त छात्रवृत्ति योजना के तहत बीबीए छात्र को मिली छात्रवृत्ति

गया जी (एजेंसी) :लाल बहादुर शास्त्री समिति के चाणक्यपुरी कॉलोनी स्थित कार्यालय में श्री चित्रगुप्त छात्रवृत्ति योजना के तहत शाहमीर तकिया के एक जरूरतमंद परिवार के बीबीए छात्र को द्वितीय वर्ष में नामांकन के लिए दूसरी बार 16 हजार 5 सौ रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। छात्रवृत्ति संयोजक बिष्णु सिन्हा ने बताया कि इससे पहले 2025 में भी प्रथम वर्ष नामांकन के लिए इतनी ही राशि इन्हें छात्रवृत्ति के रूप में दी गई थी। ये कार्यक्रम शहर के जानेमाने चिकित्सक डॉ. रतन कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। मौके पर बोर्ड मेंबर किरण कुमारी, नरेश कुमार सिन्हा, मीणा लाल, उमेश कुमार सिन्हा आदि उपस्थित रहे।

जिले के तीन स्थानों पर मनाया गया बीएमएस का 72वां स्थापना दिवस

सहरसा, (एजेंसी) : विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्रवादी देशभक्त मजदूर संगठन भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस गुरुवार को कहरा कुटी कार्यालय मे धूमधाम से मनाया गया।जिला अध्यक्ष संतोष पासवान ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस शहर के कहरा कुटी,सलखुआ, बनमा इटहरी,महिषी क्षेत्र में मनाया गया।इस अवसर पर झंडोत्तोलन के साथ साथ भारत माता,विश्वकर्मा भगवान एवं संस्थापक मा दतोपंत ठेंगड़ी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।इसके साथ ही भारतीय मजदूर संघ का ध्येय गीत,संगठन गीत के साथ-साथ रीति नीति के संबंध मे विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

नीट पेपर लीक आंदोलन के बीच गया जंक्शन सहित पूर्व मध्य रेलवे में सुरक्षा का हाई अलर्ट

आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त गश्त और सर्च अभियान जारी

गया-धनबाद,गया-डीडीयू व गया-पटना आसपास के स्टेशनों पर बढ़ी कड़ी निगरानी

गया जी(एजेंसी) :नीट पेपर लीक मामले को लेकर चल रहे आंदोलन के मद्देनजर गया जंक्शन एवं आसपास के रेलवे स्टेशनों सहित पूर्व मध्य रेलवे में सुरक्षा का हाई अलर्ट किया गया है।गुरुवार को भी लगातार दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह हाई अलर्ट पर रही। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने गया जंक्शन के अलावा गया-कोडरमा रेल सेक्शन तथा पूर्व मध्य रेलवे के आसपास के संवेदनशील स्टेशनों पर गश्त और

सघन सर्च अभियान चलाया। डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के निर्देश पर

आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों एवं जवानों ने स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुट ओवरब्रिज, प्रवेश एवं निकास द्वार, पार्किंग क्षेत्र तथा संदिग्ध स्थानों की गहन जांच की। यात्रियों के सामान की भी जांच की गई और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। गया- धनबाद,गया-डीडीयू व गया-पटना तथा गया-कियूल सेक्शन सहित आसपास के

स्टेशनों पर कड़ी निगरानी बढ़ी रही।यह अभियान पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ के आईजी अमरेश कुमार तथा रेल एसपी अनंत कुमार राय के निर्देश पर चलाया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों को आंदोलन के दौरान रेलवे परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, ट्रेनों का परिचालन निर्बाध बनाए रखने तथा यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है।

रेल अधिकारियों ने बताया कि गया जंक्शन सहित आसपास के प्रमुख स्टेशनों पर

अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। सादे लिबास में भी आरपीएफ एवं जीआरपी के जवान स्टेशन परिसर और ट्रेनों में निगरानी कर रहे हैं। स्टेशन परिसर में लगातार अनाउंसमेंट के माध्यम से यात्रियों से किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल या जीआरपी को देने की अपील की जा रही है।रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। स्थिति पर लगातार नजर रखीं जा रही है।

संपादकीय

रटंतू शिक्षा बाजार में अरबों की कमाईः सपनों में युवाओं का भविष्य?

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं था। उसका उद्देश्य था, मनुष्य के भीतर विवेक, ज्ञान, चरित्र, कौशल और समाज के प्रति संपूर्ण उत्तरदायित्व का विकास करना। आज शिक्षा का बड़ा हिस्सा एक ऐसे बाजार में बदल गया है, जहां ज्ञान नहीं बल्कि सपने दिखाकर सफलता बेचने का कारोबार हो रहा है। करोड़ों युवाओं के सपनों को प्रतियोगी परीक्षाओं, कोचिंग संस्थानों और महंगी डिग्रियों के नाम पर एक ऐसी दौड़ में धकेल दिया गया है, जिसमें अधिकांश प्रतिभागी अंततः निराशा ही प्राप्त करते हैं। वर्तमान में यूपीएससी, पीएससी, जेईई, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए करोड़ों विद्यार्थी वर्षों तक तैयारी करते हैं। उनके सामने सफलता का ऐसा सपना प्रस्तुत किया जाता है। मानो जीवन का एकमात्र लक्ष्य किसी परीक्षा में चयन होना है। कोचिंग संस्थानों का विशाल करोबार, विद्यार्थियों को बार-बार प्रश्नपत्र हल करने, संभावित प्रश्न रटने और परीक्षा की तकनीक सिखाने पर केंद्रित रहता है। विद्यार्थी धीरे-धीरे एक रटंतू तोते में बदल जाता है, जो उत्तर तो याद कर लेता है, परीक्षा भी अच्छे अंकों में पास कर लेता है। इसके बाद भी इच्छित संस्थान में चयन नहीं हो पाता है। इसके बाद अन्य संस्थानों में एडमीशन लेकर लाखों रुपया प्रतिमाह के प्लेसमेंट के चक्कर में फंसकर समय और धन को बर्वाद करता है। प्लेसमेंट नहीं मिलने पर निराश हो जाता है। वह समस्याओं को समझने और उनका समाधान खोजने की क्षमता विकसित नहीं कर पाता है।

यह सच है, प्रतियोगी परीक्षाओं में सीमित पदों के लिए बहुत बड़ी संख्या में अभ्यर्थी आवेदन करते हैं। ऐसे में अधिकांश का चयन नहीं हो पाता है। इस स्थिति का विश्लेषण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए, प्रतियोगी परीक्षाओं का उद्देश्य उपलब्ध पदों के लिए चयन करना होता है। चुनौती यह है, शिक्षा और रोजगार की व्यापक व्यवस्था हो ताकि युवाओं के पास केवल एक ही रास्ता सीमित न हो। विश्वविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों की बढ़ती फीस ने शिक्षा को आम परिवार की पहुंच से दूर कर दिया है। लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी यदि विद्यार्थी रोजगार योग्य कौशल प्राप्त नहीं कर पाता है। उसके सामने आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार का संकट खड़ा हो जाता है। डिग्री हाथ में होती है, रोजगार, उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कौशल नहीं होता है। परिणामस्वरूप कई शिक्षित युवाओं को अपेक्षाकृत कम वेतन वाली नौकरियों से शुरूआत करनी पड़ती है,

एक बेहतरीन किताब 100 अच्छे दोस्त के बराबर है, लेकिन एक सर्वश्रेष्ठ दोस्त पुस्तकालय के बराबर है।

: अब्दुल कलाम

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पता है। शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है।

: चाणक्य

विश्व में भारत के खिलाफ नैरेटिव गढ़ता बीबीसी

दुनिया भर में अपनी पत्रकारिता के कारण सुर्खियों में रहने वाला बीबीसी (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) का विवादों से गहरा नाता रहा है। कई देश बीबीसी की खबरों को उसके ह्यएजेंडेह्न के रूप में देखते हैं। बीबीसी पर भारतीय राजनीति, समाज और नीति-निर्माण को प्रभावित करने के लिए एजेंडा-आधारित पत्रकारिता और नैरेटिव मैनिपुलेशन (कहानियों को तोड़ने-मरोड़ने) के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। आलोचकों, विचारकों और भारत सरकार के समर्थकों का मानना है कि बीबीसी अक्सर भारत की नकारात्मक छवि पेश करता है और संवेदनशील मुद्दों पर एकतरफा दृष्टिकोण अपनाकर असंतोष को भड़काता है। ऐसा ही कुछ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान भी देखने को मिल रहा है।बीबीसी की रिपोर्टिंग पर नजर डालने से कुछ विशेष पैटर्न सामने आते हैं, जिनके जरिए खबरों को एक खास दिशा दी जाती है। भारत से जुड़ी खबरों में ऐसे शीर्षकों का चयन किया जाता है, जो सीधे तौर पर देश की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। जटिल सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को सरलीकृत करके सीधे तौर पर बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक के रूप में पेश किया जाना। बीबीसी का लोकल नैरेटिव को ग्लोबल एजेंडा बनाना भी अक्सर चिंताजनक नजर आता है। उसके द्वारा स्थानीय स्तर के आपराधिक मामलों को राष्ट्रीय राजनीति और सरकार की नीतियों से जोड़कर दिखाने के कई उदाहरण मौजूद हैं। बीबीसी द्वारा अपनी रिपोर्ट में केवल उन्हीं विचारकों, पत्रकारों या कार्यकताओं को शामिल किया जाता है, जो सरकार विरोधी रुख रखते हैं। बीबीसी की दखलअंदाजी और मैनिपुलेशन के कई उदाहरण मौजूद हैं।बीबीसी द्वारा 2023 में दो भागों में जारी की गई ह्यइंडियाः द मोदी क्वेश्चनह्न डॉक्यूमेंट्री में 2002 के गुजरात दंगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे। इस डॉक्यूमेंट्री को ऐसे समय पर रिलीज किया गया, जब भारत जी-20 (जी-20) की अध्यक्षता संभाल रहा था और वैश्विक मंच पर अपनी छवि मजबूत कर रहा था। इसमें भारत की सर्वोच्च अदालत द्वारा गठित एसआईटी की उस जांच को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया, जिसने नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट दी थी। दरअसल, बीबीसी का उद्देश्य कानूनी रूप से सुलझ चुके इस संवेदनशील और ध्रुवीकरण करने वाले मुद्दे को दोबारा हवा देकर देश में राजनीतिक अस्थिरता और असंतोष पैदा करना था। साल 2020-2021 में भारत सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान बीबीसी की कवरेज को बेहद एकतरफा माना गया। बीबीसी की ग्राउंड रिपोर्ट्स और डिजिटल आर्टिकल्स में मुख्य रूप से आंदोलनकारियों के पक्ष को ही सही ठहराया गया। इसमें लाल किले पर हुई हिंसा और पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों को या तो बहुत कम दिखाया गया या उन्हें जायज ठहराने की कोशिश की गई। कानूनों के समर्थन में खड़े करोड़ों छोटे किसानों के दृष्टिकोण को बीबीसी ने अपनी मुख्यधारा की कहानियों में कोई जगह नहीं दी। इस कवरेज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश दिया कि भारत सरकार किसानों का दमन कर रही है, जिससे भारत की लोकतांत्रिक साख को चोट पहुंची।2020 में समान नागरिक संहिता यानी सीएए विरोधी प्रदर्शनों और उसके बाद फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों के दौरान बीबीसी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे। बीबीसी ने सीएए को एक मुस्लिम विरोधी कानून के रूप में प्रचारित किया, जबकि यह कानून केवल पड़ोसी देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए था, न कि किसी की नागरिकता छीनने के लिए। दिल्ली दंगों की रिपोर्टिंग में बीबीसी ने हिंसा को एकतरफा मुस्लिम विरोधी दंगे के रूप में पेश किया, जबकि दंगों में दोनों पक्षों (हिंदू और मुस्लिम) के लोग मारे गए थे और खुफिया ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा व पुलिस हेड कांस्टेबल रतन लाल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। बीबीसी की इस तरह की रिपोर्टिंग ने देश के भीतर सांप्रदायिक तनाव को और बढ़ाने और विदेशों में भारत की छवि को एक असहिष्णु देश के रूप में पेश करने का काम किया।1947 से लेकर अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के हटने तक, बीबीसी की कश्मीर नीति को लेकर भारत में हमेशा आक्रोश रहा। बीबीसी अपनी रिपोर्टों में कश्मीर को भारत प्रशासित कश्मीर लिखता रहा। अनुच्छेद 370 हटने के बाद बीबीसी ने घाटी में केवल तालाबंदी, विरोध और सेना की कथित ज्यादतियों को ही दिखाया। वहां आतंकवाद के खात्मे, विकास कार्यों, स्कूलों के खुलने और कश्मीरी पंडितों के दर्द को उसकी रिपोर्टिंग में हमेशा हाशिए पर रखा गया। उसकी यह रिपोर्टिंग वैश्विक स्तर पर कश्मीर मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने और पाकिस्तान के रुख को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा गया।2021 में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान बीबीसी की कवरेज मानवीय संकट से ज्यादा राजनीतिक प्रहार पर केंद्रित थी। बीबीसी ने श्मशान घाटों और जलती हुई चिताओं की तस्वीरों को अत्यधिक ड्रोन कैमरों के जरिए जूम करके दिखाया। जबकि पश्चिमी देशों (जैसे अमेरिका और यूके) में महामारी से भीषण मौतें होने के बावजूद वहां के मीडिया ने लाशों और कब्रिस्तानों की ऐसी डरावनी तस्वीरें नहीं दिखाईं। आपदा के समय इस तरह के दृश्य बार-बार दिखाकर बीबीसी ने देश के भीतर जनता में पैनिक (डर का माहौल) पैदा किया और सरकार की व्यवस्था को पूरी तरह से विफल दिखाने का प्रयास किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि बीबीसी का यह रवैया महज इत्तेफाक नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरे निहित स्वार्थ थे। संवेदनशील मुद्दों को भड़काना, तथ्यों को आधा-अधूरा पेश करना और भारत की नकारात्मक छवि को दुनिया के सामने बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना इसकी कार्यशैली का हिस्सा रहा है।

बीबीसी की रिपोर्टिंग पर नजर डालने से कुछ विशेष पैटर्न सामने आते हैं, जिनके जरिए खबरों को एक खास दिशा दी जाती है। उसके द्वारा भारत से जुड़ी खबरों में ऐसे शीर्षकों का चयन किया जाता है, जो सीधे तौर पर देश की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। बीबीसी बेहद आसानी से जटिल सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को सरलीकृत करके सीधे तौर पर बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक के रूप में पेश करके देश में टकराव की स्थिति पैदा करने से चूकता नहीं है। इसी तरह से स्थानीय स्तर के आपराधिक मामलों को राष्ट्रीय राजनीति और सरकार की नीतियों से जोड़कर दिखाया जाता है। बीबीसी के ताजा एजेंडे की बात की जाए तो अबकी उसने भारत के कॉकरोच जनता पार्टी आंदोलन को शुरूआत से ही एक बड़े और सुनियोजित तरीके से कवर किया है। आलोचकों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एक डिजिटल मजाक या सैटायर (व्यंग्य) के रूप में शुरू हुए इस अभियान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोदी विरोधी नैरेटिव में बदलने के पीछे बीबीसी की रिपोर्टिंग का बड़ा हाथ रहा है। बीबीसी ने जिस तरह से इस आंदोलन को हवा दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उनकी सरकार के खिलाफ नैरेटिव तैयार किया, उसके मुख्य बिंदु और तरीके की बात की जाए तो उसके द्वारा कॉकरोच जनता पार्टी के डिजिटल व्यंग्य को वैश्विक जन-विद्रोह के रूप में प्रोजेक्ट करना बीबीसी की बड़ी चाल थी। शुरूआत में अभिजीत दिपके द्वारा बनाई गई कॉकरोच जनता पार्टी केवल एक मजाकिया सोशल मीडिया पेज था, जिसके सदस्यता मानदंडों में बेरोजगार होना, आलसी होना और प्रोफेशनल तरीके से भड़ास निकालना शामिल था। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट्स में बार-बार इस बात पर जोर दिया कि सीजेपी के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की संख्या भाजपा से भी आगे निकल गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर यह संदेश गया कि मोदी सरकार अपनी लोकप्रियता पूरी तरह खो चुकी है। यह आंदोलन मूल रूप से नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा के पेपर लीक और उसमें सुधार की जायज मांगों को लेकर जमीन पर उतरा था, लेकिन बीबीसी ने अपनी ग्राउंड रिपोर्ट्स और वीडियो पैकेज में इसे केवल एक परीक्षा प्रणाली या प्रशासनिक विफलता के रूप में नहीं दिखाया। बीबीसी की रिपोर्टिंग ने इसे सीधे पीएम मोदी की नीतियों और 12 साल के शासनकाल के खिलाफ एक सीधे राजनीतिक खतरे के रूप में पेश किया। बीबीसी के संवाददाताओं ने बार-बार यह नैरेटिव गढ़ा कि मोदी सरकार युवाओं की आवाज को दबा रही है और देश में प्रेस स्वतंत्रता व नागरिक स्वतंत्रता लगातार गिर रही है। 20 जुलाई 2026 को जब संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं, तो कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया। इसे बीबीसी ने अपनी हेडलाइंस और वीडियो में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई को क्रूर और बर्बर क्रैकडाउन के रूप में बार-बार उछाला। बीबीसी ने इस बात को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया या बहुत कम महत्व दिया कि इस हिंसा में 100 से अधिक पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। जलते हुए तंबू और आंसू गैस के दृश्यों को इस तरह दिखाया गया, जैसे कि भारत में कोई अलोकतांत्रिक शासन चल रहा हो। जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी दल इस आंदोलन के समर्थन में आए और प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया, तो बीबीसी ने इसे सरकार के लिए बढ़ते दबाव और संकट के रूप में प्रचारित किया।

संजय सक्सेना

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जगन्नाथपुरी के गुंडिचा मंदिर की वास्तुकला और तांत्रिक विन्यास

उत्कल की वास्तुकला मूलतः कलिंग शैली से अनुप्राणित है, किंतु गुंडिचा मंदिर, जिसे महावेदी भी कहा जाता है, की आंतरिक और बाह्य संरचना केवल कलात्मक अभिरुचि का प्रदर्शन नहीं है। यह साक्षात श्री यन्त्र और मानव शरीर के षट्चक्रों की तांत्रिक ज्यामिति पर आधारित है। मुख्य श्रीमंदिर से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुंडिचा मंदिर को जनक गृह कहा जाता है। स्थापत्य की दृष्टि से यह दो मुख्य भागों में विभक्त है- विमान (गर्भगृह) और जगमोहन (मुखशाला)। मंदिर के भीतर गर्भगृह में एक विशाल प्रस्तर वेदी है, जिसे महावेदी या जन्मवेदी कहा जाता है। तांत्रिक ग्रंथों के अनुसार, यह वेदी साक्षात मूलाधार चक्र का प्रतिनिधित्व करती है। यहीं पर देवशिल्पी ने दारुब्रह्म को आकार दिया था। गुंडिचा मंदिर चारों ओर से एक सघन उपवन (वृंदावन) से घिरा हुआ है। वास्तुकला में इस उद्यान विन्यास को गुप्ताश्रम कहा गया है, जो साधक के अंतमुर्खी होने की प्रक्रिया का प्रतीक है।

श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर की ओर रथों का गमन तांत्रिक साधना की कुंडलिनी जागरण प्रक्रिया का हूबहू भौतिक प्रकटीकरण है- श्रीमन्दिर सहस्त्रार चक्र का द्योतक है, जो सांसारिक ऐश्वर्य व भोग का केंद्र है, रथयात्रा का सुगम मार्ग सुषुम्ना नाड़ी है और गुण्डिचा मन्दिर मूलाधार चक्र है, जो आदि स्त्रोत है, जहां यज्ञवेदी का प्राकट्य हुआ। यह यात्रा सामान्यतः अधोगामी प्रतीत होती है- ऊपर से नीचे आना, किंतु दार्शनिक दृष्टि से यह अपने आदि कारण की ओर लौटने की यात्रा है। भगवान अपनी मूल यज्ञवेदी पर लौटकर अपनी शक्तियों का पुनः संचय करते हैं। गुंडिचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा नौ दिनों तक निवास करते हैं। इस प्रवास के दौरान कुछ ऐसे विशिष्ट और मौलिक अनुष्ठान संपन्न होते हैं, जो केवल पुरुषोत्तम क्षेत्र की तांत्रिक संप्रभुता को सिद्ध करते हैं।

गुंडिचा प्रवास के पांचवें दिन आषाढ़ शुक्ल पंचमी को हेरा पंचमी का अत्यंत अनूठा उत्सव मनाया जाता है। हेरा का ओड़िया भाषा में अर्थ है देखना या खोजना। महालक्ष्मी, जिन्हें भगवान जगन्नाथ श्रीमंदिर में ही छोड़ आए थे, वे विरह और क्रोध से व्याकुल होकर भगवान को खोजने गुंडिचा मंदिर आती हैं। वे एक गुप्त सुवर्ण पालकी में बैठकर आती हैं। यहां महालक्ष्मी द्वारा भगवान के रथ नंदीघोष का एक काष्ठ खंड (टुकड़ा) तोड़ दिया जाता है। यह अनुष्ठान मातृसत्तात्मक तांत्रिक प्रभाव का प्रतीक है, जहां आद्या शक्ति पुरुष (परमात्मा) पर अपना पूर्ण अधिकार प्रकट करती हैं। तत्पश्चात, वे गुप्त मार्ग (हेरा गोहिरी साही) से श्रीमंदिर लौट आती हैं। गुंडिचा मंदिर के गर्भगृह को इन नौ दिनों में आड़प मंडप कहा जाता है। मान्यता है कि इस मंडप पर विराजमान दारुब्रह्म के दर्शन और यहां मिलने वाले आड़प अबढ़ा (महाप्रसाद) का सेवन करने से कोटि जन्मों के पाप विनष्ट हो जाते हैं। ब्रह्म पुराण में कहा गया है-

आड़प मंडपे दृष्ट्वा साक्षात कृष्णं जगद्गुरुम्।

अश्वमेध सहस्त्रस्य फलं प्राप्नोति मानवः।।

यह महाप्रसाद जीव के भीतर के अविद्या रूपी अंधकार का शमन करता है और उसे ब्रह्म-चेतना में लीन करता है।

गुंडिचा यात्रा और पुरुषोत्तम क्षेत्र की प्राचीनता को केवल पौराणिक आख्यानों तक सीमित नहीं माना जा सकता। अनेक मध्यकालीन और प्राचीन पुरातात्विक साक्ष्य इसके ऐतिहासिक आधार को सुदृढ़ करते हैं। अनंतवर्मन चोडगंगदेव (11वीं-12वीं शताब्दी) के समय के ताम्रपत्रों में महावेदी यात्रा और राजा द्वारा गुंडिचा मंडप के जीर्णोद्धार का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। कोणार्क सूर्य मंदिर के पत्थरों पर उकेरे गए कतिपय चित्रों में रथयात्रा और राजा को महावेदी के सम्मुख नतमस्तक होते दिखाया गया है, जो इस महोत्सव की ऐतिहासिक निरंतरता को प्रमाणित करता है। चीनी यात्री ह्वेनसांग (7वीं शताब्दी) ने उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में चरित्रपुर (चे-लि-ता-लो) नामक एक महान बौद्ध-वैष्णव केंद्र का वर्णन किया है, जहां से प्रतिवर्ष बौद्ध अवशेषों या देव विग्रहों को एक विशाल रथ पर ले जाया जाता था। इतिहासकार इसे जगन्नाथ जी की रथयात्रा और गुंडिचा गमन का ही आदि रूप मानते हैं।

नौ दिनों के दिव्य प्रवास और लीलाओं के पश्चात, आषाढ़ शुक्ल दशमी को भगवान की वापसी यात्रा प्रारंभ होती है, जिसे बहुड़ा यात्रा कहा जाता है। यह महोत्सव का तार्किक और दार्शनिक समापन है। वापसी की यात्रा के दौरान भगवान का रथ अपनी मौसी के घर (माउसी मां मंदिर) पर रुकता है। यहां भगवान को चावल, नारियल और गुड़ से बना एक विशेष व्यंजन अर्पित किया जाता है, जिसे पोढ़ पीठा कहते हैं। यह अनुष्ठान वात्सल्य रस की पराकाष्ठा है, जहां ब्रह्मांड का स्वामी एक बालक की भांति अपनी मौसी के हाथों स्नेह क्रोड स्वीकार करता है।

श्रीमंदिर के सिंहद्वार पर पहुंचने पर, एकादशी की तिथि को तीनों विग्रहों को विशाल और अमूल्य स्वर्ण आभूषणों से सुसज्जित किया जाता है। इसे सुवर्ण भेष कहा जाता है। गुंडिचा गमन (वृंदावन यात्रा) में भगवान माधुर्य भाव (सरलता, प्रेम) में थे। पुनः श्रीमंदिर (द्वारका, वैकुंठ) लौटने पर वे अपने पूर्ण ऐश्वर्य भाव (राजसी वैभव) को धारण करते हैं। यह जीव को संदेश है कि ज्ञान और प्रेम की प्राप्ति के बाद अंततः संसार का संचालन ऐश्वर्य और नियम-संयम से ही होता है। महोत्सव का अंतिम चरण नीलाद्रि बिजे (श्रीमंदिर के भीतर पुनः प्रवेश) कहलाता है। यहां एक अत्यंत रोचक मान- मनौव्वल की लीला होती है- द्वार रोध। क्रोधित महालक्ष्मी श्रीमंदिर के कपाट बंद कर देती हैं और जगन्नाथ जी को भीतर आने से रोकती हैं, क्योंकि वे उन्हें साथ नहीं ले गए थे। भगवान जगन्नाथ मान भंजन के लिए लक्ष्मी जी को रसगुल्ला (मिष्टान्न) अर्पित करते हैं और अनुनय-विनय करते हैं। इसके बाद देवी शांत होती हैं और भगवान का गर्भगृह में रत्नसिंहासन पर पुनः प्रतिष्ठापन होता है।

दरअसल, गुंडिचा महोत्सव मानव जीवन की उत्क्रांति और गंतव्य का साक्षात महाचित्र है। गुंडिचा गमन अंतमुर्खी होना है, जिसका उद्देश्य है- अपने मूल (आत्मा, ब्रह्म) की खोज में निकलना। गुंडिचा मार्जन, चित्त-वृत्ति निरोध की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य है- हृदय को वासनाओं से मुक्त करना। प्रवास व आड़प दर्शन, समाधि अवस्था है, जिसका उद्देश्य, ईश्वर के आदि-स्वरूप में लीन होना है। नीलाद्रि बिजे जीवन मुक्ति का प्रतीक है, जिसका अर्थ है- संसार में लौटकर भी ईश्वरत्व में प्रतिष्ठित रहना।

यह यात्रा सिखाती है कि सृष्टि का प्रत्येक कण परिवर्तनशील है। भगवान का रथ पर चलना यह दर्शाता है कि गति ही जीवन है और जड़ता मृत्यु है। परंतु इस गति का एक निश्चित गंतव्य होना चाहिए, जैसे रथों का गंतव्य गुंडिचा अर्थात यज्ञवेदी है, वैसे ही मानव जीवन के रथ का गंतव्य परमपद होना चाहिए। श्रीमंदिर से गुंडिचा और गुंडिचा से पुनः श्रीमंदिर की यह आवर्ती यात्रा ब्रह्मांड के सृष्टि और प्रलय के चक्र को भी दशार्ती है। यह सनातन सत्य है कि जो जहां से उत्पन्न हुआ है, उसे अंततः वहीं लौटकर समाहित होना पड़ता है। जगन्नाथ संस्कृति का यह गुंडिचा महोत्सव इसी परम दार्शनिक सत्य को प्रतिवर्ष लोक मानस के सम्मुख जीवंत करता है, जिससे मानव जाति अपनी आध्यात्मिक यात्रा को विस्मृत न करे और निरंतर शाश्वत आनंद की ओर अग्रसर रहे।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कर-संस्कृतिः विकसित भारत का अदृश्य संविधान

राष्ट्र की शक्ति केवल मतगणना से नहीं, करगणना से भी मापी जाती है। मतपत्र नागरिक की राजनीतिक चेतना का प्रतीक है, तो आयकर रिटर्न उसकी आर्थिक निष्ठा का। विडंबना यह है कि मतदान पर व्यापक विमर्श होता है, पर कर-अनुशासन पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखती। जबकि किसी भी आधुनिक राष्ट्र की स्थिरता का वास्तविक आधार उसकी कर-संस्कृति होती है। 24 जुलाई का आयकर दिवस इसी मौन सत्य का स्मरण कराता है कि राष्ट्र का भविष्य केवल बजट नहीं, बल्कि करोड़ों ईमानदार करदाताओं के निष्ठापूर्ण योगदान से आकार लेता है। विकसित भारत का आधार केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि उत्तरदायी कर-संस्कृति है। इसलिए आयकर दिवस किसी विभागीय औपचारिकता का नहीं, आर्थिक नागरिकता के सम्मान का अवसर है।

इतिहास गवाह है कि समृद्ध राष्ट्रों की नींव केवल संसाधनों पर नहीं, सुदृढ़ कर-संस्कृति पर टिकी होती है। भारत में आधुनिक आयकर व्यवस्था का औपचारिक आरंभ 24 जुलाई 1860 को सर जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत आयकर अधिनियम से हुआ, किंतु स्वतंत्र भारत ने इसे केवल राजस्व-संग्रह नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय विकास का माध्यम बनाया। 1961 के आयकर अधिनियम के बाद सरलीकरण की दिशा में नया आयकर कानून भी प्रस्तावित/लागू होने की प्रक्रिया में है, प्रत्यक्ष कर प्रशासन में सुधार, कंप्यूटरीकरण, केंद्रीकृत प्रसंस्करण और डिजिटल कर प्रणाली उसी दृष्टि के क्रमिक विस्तार हैं। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में है और वैश्विक संस्थाएँ उसे आने वाले दशक का विकास-प्रेरक मान रही हैं। इस उपलब्धि के मूल में करोड़ों ईमानदार करदाताओं से निर्मित वही राजस्व है, जिसने विकास की गति को निरंतर बनाए रखा।

हर सार्वजनिक उपलब्धि के पीछे एक मौन निवेश छिपा होता है–करदाता का। राष्ट्रीय राजमार्गों, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं, नई शिक्षा नीति के अनुरूप विकसित संस्थानों, रक्षा आधुनिकीकरण, डिजिटल अवसंरचना, अंतरिक्ष अनुसंधान, जल संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की वास्तविक नींव ईमानदारी से अदा किए गए कर पर टिकी है। नागरिक अपनी आय का एक अंश राष्ट्र को देकर केवल राजस्व नहीं देता, बल्कि समान अवसरों वाले भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करता है। इसलिए विकसित देशों में कर भुगतान सम्मान का प्रतीक माना जाता है। भारत भी अब उसी दिशा में बढ़ रहा है, जहाँ करदाता राजस्व का स्रोत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति का सह-शिल्पी माना जाता है।

कर प्रशासन का नया चेहरा कानूनों से कम, तकनीक से अधिक गढ़ा गया है। कभी आयकर कार्यालयों के चक्कर, कागजी फाइलें और लंबी प्रतीक्षाएँ करदाताओं की विवशता थीं; आज फेसलेस असेसमेंट, प्री-फिल्ड आयकर रिटर्न, ऑनलाइन सत्यापन, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जोखिम विश्लेषण ने प्रक्रिया को पारदर्शी, त्वरित और विश्वसनीय बना दिया है। प्रत्यक्ष कर संग्रह में निरंतर वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि सरल व्यवस्था स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देती है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों ने भी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना में भारत की प्रगति को उल्लेखनीय माना है। तकनीक का उद्देश्य केवल निगरानी नहीं, बल्कि करदाता और शासन के बीच भरोसे का स्थायी सेतु बनाना है। इसलिए आज करदाता व्यवस्था से डरता नहीं, उस पर भरोसा करता है।

कर भुगतान का सबसे बड़ा लाभ सरकार नहीं, स्वयं करदाता प्राप्त करता है। नियमित आयकर रिटर्न आय, व्यय, निवेश और बचत का अनुशासित लेखा विकसित करता है, जो बैंकिंग, ऋण, उद्यमिता और वित्तीय सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बनता है। जनधन, डिजिटल भुगतान, यूपीआई और औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार ने नागरिक को अधिक वित्तीय रूप से जागरूक बनाया है। आज करदाता केवल कर अदा करने वाला नहीं, बल्कि आर्थिक अनुशासन का प्रतिनिधि है। विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ती वित्तीय साक्षरता इसी परिवर्तन का संकेत है। नई पीढ़ी जब कर को दंड नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपना दायित्व मानेगी, तभी आर्थिक राष्ट्रवाद विचार नहीं, व्यवहार बनेगा।

कर नीति अब केवल आय का साधन नहीं, आने वाले भारत की दिशा तय करने का माध्यम भी है। स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, हरित निवेश, टिकाऊ उद्योग और ऊर्जा-दक्ष तकनीकों को प्रोत्साहन इसकी स्पष्ट अभिव्यक्ति हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच भारत ने नेट-जीरो उत्सर्जन सहित अनेक दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित किए हैं। ऐसे में कर व्यवस्था केवल आर्थिक गतिविधियों को नहीं, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को भी गति दे रही है। कर प्रोत्साहनों से उद्योग और नागरिक हरित विकल्प अपनाते हैं, तो उसका लाभ वर्तमान से आगे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचता है। इस प्रकार आयकर व्यवस्था अब राजस्व-संग्रह से आगे बढ़कर सतत विकास की प्रभावी प्रेरक बन चुकी है।

कर व्यवस्था की सबसे बड़ी परीक्षा कर-संग्रह नहीं, कर-निष्ठा है। कर चोरी, अघोषित आय और नकद अर्थव्यवस्था का विस्तार ईमानदार करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ डालता है और सामाजिक असमानता को गहरा करता है। इसलिए प्रभावी कर प्रशासन और करदाता-सुविधा के बीच संतुलन अनिवार्य है। सरकार की जिम्मेदारी सरल कानून, स्पष्ट प्रक्रियाएँ और त्वरित शिकायत निवारण सुनिश्चित करना है, वहीं नागरिकों को समझना होगा कि कर से बचना अंततः राष्ट्र और अपने ही विकास से विमुख होना है। लोकतंत्र केवल अधिकारों का उत्सव नहीं, दायित्वों का अनुशासन भी है। जब कर भुगतान राष्ट्रनिर्माण में स्वैच्छिक सहभागिता का संस्कार बन जाएगा, तब अनुपालन दंड के भय से नहीं, जागरूक नागरिकता से स्वतः सुनिश्चित होगा।

राष्ट्र की तकदीर संसदों में जितनी लिखी जाती है, उतनी ही नागरिकों की लेखा-पुस्तिकाओं में भी दर्ज होती है। आयकर दिवस उस मौन प्रतिबद्धता का सम्मान है, जिसके सहारे देश की आकांक्षाएँ आकार पाती हैं। ईमानदारी से अदा किया गया प्रत्येक कर केवल राशि नहीं, आने वाले कल के प्रति एक सार्वजनिक विश्वास-पत्र है। जब यह भावना जनमानस का स्वभाव बन जाएगी, तब कराधान कानून का विषय भर नहीं रहेगा, बल्कि सभ्य नागरिकता की पहचान बन जाएगा। यही चेतना भारत को केवल आर्थिक रूप से सक्षम नहीं, बल्कि नैतिक रूप से भी अग्रणी राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करेगी। इस आयकर दिवस पर हम सब मिलकर ईमानदार कर-भुगतान को अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता बनाएं।

कृति आरके जैन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7582

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7581 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

दैनिक पंचांग

24 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.15 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	09.27 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.38 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.53 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	16.09 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	18.14 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	20.00 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.33 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	23.04 बजे से
		वृष	00.44 बजे से
		मिथुन	02.42 बजे से
		कर्क	04.55 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 205 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 09.13 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 04.37 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 20.12 बजे को समाप्त। **करण** गर 09.13 बजे तदनन्तर वणिज 22.23 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 9.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 54' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872780 **जूलियन दिन** 2461245.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 09 **विशेष** आशा दशमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने इस महीने जायेंगे चीन, वांग यी समेत शीर्ष नेताओं से मिलेंगे

काठमांडू। नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने इस महीने के अंत में चार सदस्यीय पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन की राजधानी बीजिंग का दौरा करेंगे। इस दौरान वह चीनी विदेश मंत्री वांग यी और चीन के अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से उच्चस्तरीय बैठकें करेंगे। पार्टी प्रवक्ता मनीष झा के अनुसार इस प्रतिनिधिमंडल में लामिछाने के करीबी कुछ नेता और सांसद भी शामिल होंगे। हालांकि, अन्य बैठकों और प्रतिनिधिमंडल के शेष सदस्यों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य चीन के साथ राजनीतिक संवाद को मजबूत करना और 5 मार्च को नेपाल में हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद दोनों पक्षों के बीच विश्वास को और प्रगाढ़ बनाना है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब नेपाल की नई सरकार और उसके दोनों पड़ोसी देशों—भारत और चीन—के बीच अब तक उच्चस्तरीय राजनीतिक संपर्क सीमित रहे हैं। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने पदभार संभालने के बाद अब तक चीन या भारत के किसी भी राजदूत के साथ औपचारिक द्विपक्षीय बैठक नहीं की है। हाल ही में प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने अपने प्रमुख सलाहकार कुमार बेन को भारत यात्रा की तैयारियों के लिए नई दिल्ली भेजा था। इस दौरान कुमार बेन ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की थी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि बीजिंग जाने वाले चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के तीन अन्य सदस्यों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

नेपाल की अतिक्रमित भूमि पर प्रशासनिक नियंत्रण बहाल करने की मांग, संसद में प्रस्ताव पेश

काठमांडू। दार्चुला जिले में व्यास स्थित महाकाली नदी के पूर्व की लगभग 400 किलोमीटर नेपाल के दावे वाली भूमि को लेकर प्रतिनिधि सभा में एक संकल्प प्रस्ताव पेश गया है। प्रस्ताव में लिंपियाधुरा की गुंजी, नाबी और कुट्टी की भूमि पर सरकार का प्रशासनिक नियंत्रण सुनिश्चित करने की मांग की गई है। प्रस्ताव में इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा कराने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के सांसद गणेश सिंह ठगुन्ना ने पेश किया है। ठगुन्ना दार्चुला-1 निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सांसद हैं। इसी जिले के अंतर्गत कालापनी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा पड़ता है, जिस पर नेपाल लगातार अपना दावा करता रहता है। इस संकल्प प्रस्ताव में कहा गया है कि नेपाली भूमि भारतीय अतिक्रमण में है। उन्होंने प्रतिनिधि सभा नियमावली-२०२६ के नियम 79 के तहत इस प्रस्ताव पर सदन में चर्चा कराने की मांग की है। प्रस्ताव में कहा गया है कि अतिक्रमित क्षेत्र से जुड़े छाङरु और तिंकर गांवों के नागरिक सड़क संपर्क, खाद्यान्न, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से गंभीर रूप से प्रभावित हैं। प्रस्ताव के अनुसार इन गांवों के लोगों को अपने ही जिला मुख्यालय आने-जाने और दैनिक उपयोग की वस्तुएं खरीदने के लिए भी भारत के रास्ते और भारतीय बाजारों पर निर्भर रहना पड़ता है। संकल्प प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि अतिक्रमित क्षेत्र के कुटी, गुंजी और नाबी के निवासियों को भारत सरकार आरक्षण सहित विशेष पैकेज और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

जंतर-मंतर में प्रदर्शन स्थल के पास दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर पर हमला, आई-कार्ड और सोने की चेन छीनी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान बुधवार देर रात दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया। इस हमले में इंस्पेक्टर नंद किशोर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार इंस्पेक्टर नंद किशोर सिंह इस समय एसपीयूडब्ल्यूएसी, नानकपुरा में तैनात हैं। कल रात उनकी ड्यूटी जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन स्थल पर लगाई गई थी। वह अपनी गाड़ी पार्क करने के बाद पैदल ड्यूटी प्वाइंट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान भीड़ में मौजूद कुछ उपद्रवियों ने उन्हें घेर लिया और अचानक हमला कर दिया। हमले में इंस्पेक्टर नंद किशोर सिंह को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। आरोप है कि मारपीट के दौरान हमलावरों ने उनका दिल्ली पुलिस का आधिकारिक पहचान पत्र (आई-कार्ड) और सोने की चेन भी छीन ली। आसपास मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने किसी तरह उन्हें भीड़ से बाहर निकाला और तुरंत आरएमएल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शन स्थल और आसपास के सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है। उनका कहना है कि सरकारी कर्मचारी पर हमला, लूट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सख्त कर दी गई है। वहीं, घायल इंस्पेक्टर नंद किशोर सिंह से वरिष्ठ अधिकारियों ने मुलाकात कर उनका हालचाल जाना है।

सोनम वांगचुक की पत्नी ने छात्रों पर लग रहे आरोपों को लेकर जताई चिंता

नई दिल्ली। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंग्मो ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर लगाए जा रहे आरोपों पर चिंता जाहिर की है। गीतांजलि आंग्मो ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, "एक शिक्षक के तौर पर, मीडिया में अपने छात्रों की छवि खराब होते देखना मेरे लिए बहुत दुखद है। ये छात्र जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

छात्रों को दोषी ठहराने के बजाए उनकी चिंताओं को सुनना चाहिए था। हमारे बच्चे सुरक्षा के हकदार हैं, न कि उन्हें विलेन के तौर पर दिखाए जाने के। उनकी आवाज सुनी जानी चाहिए।" उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अगर दिल्ली में कहीं और हिंसा की खबरें आती हैं, तो कृपया बिना सबूत के उन्हें इस आंदोलन से न जोड़ें जो लोग इन युवाओं को सच में जानते हैं, उन्होंने इनका असाधारण धैर्य, अनुशासन और संयम देखा है। उल्लेखनीय है कि छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रही सीजेपी के 'संसद चलो' मार्च की घोषणा के बाद 20 जुलाई को हजारों की संख्या में एकजुट हुए छात्रों ने अपना विरोध प्रदर्शन जताया था जिसमें वे शिक्षा प्रणाली में अनियमितताओं और पेपर लीक मामले को लेकर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हो गई। इस घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से गंभीर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं।

हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग के चेयरमैन नंद लाल शर्मा का निधन

चंडीगढ़। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) के चेयरमैन नंद लाल शर्मा का गुरुवार सुबह पंचकूला में निधन हो गया। शर्मा को ब्रेन स्ट्रॉक के चलते 19 जुलाई को पंचकूला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नंद लाल शर्मा ने दो फरवरी 2024 को हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। मूल रूप से हिमाचल प्रदेश निवासी नंदलाल शर्मा इससे पहले भारत सरकार के बिजली मंत्रालय के तहत आने वाली सेंट्रल पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग (एसजेवीएन) के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर छह साल से ज्यादा समय तक रहे। उन्होंने 1989 में हिमाचल प्रदेश एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस ऑफिसर के तौर पर अपना करियर शुरू किया और 2008 तक कई पदों पर काम किया। वह हिमाचल में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट, सेक्रेटरी, हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, लैंड एक्विजिशन कलेक्टर,कमिश्नर (वर्कमेन कंपनसेशन),डायरेक्टर (आयुर्वेद) और स्पेशल सेक्रेटरी (हेल्थ), हिमाचल प्रदेश सरकार में रहे। केंद्रीय ऊर्जामंत्री मनोहर लाल ने नंद लाल शर्मा के निधन पर गहरा शोक जताया है। मनोहर लाल ने कहा कि शर्मा ने एसजेवीएन के विकास और विस्तार में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एचईआरसी के अध्यक्ष के रूप में विद्युत क्षेत्र में उनकी सेवाएं हमेशा याद की जाएंगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने नंद लाल शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने बेहद ऊर्जावान एवं दूरदर्शी सोच का अधिकारी खो दिया है। एचईआरसी बेहतर संचालन में उनका योगदान अहम रहा है। इस दुख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं शर्मा परिवार के साथ हैं।

असम में बाढ़ से हालात गंभीर, 11 जिलों की 653164 आबादी प्रभावित

एजेंसी, गुवाहाटी

मृतकों की संख्या 44 हुई

असम में लगातार बरसात की वजह से बाढ़ के हालात बेहद गंभीर हो गये हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के 22 जुलाई के आंकड़ों के अनुसार, में एक दिन में कुल 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस तरह राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या 44 हो गयी है। असम में खतरे के निशान से ऊपर बहने वाली नदियों में बुढ़ीदिहिंग (चेनिमारी, खोवांग), दिखौ (शिवसागर), धनसिरी (नुमालीगढ़), कुशियारा (श्रीभूमि) शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित शिवसागर, चराईदेव एवं जोरहाट जिले का दौरा कर लोगों से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। असम सरकार के मंत्री बिमल बोरा, केशव महंत, अजंता नेओग एवं विधायक लगातार प्रभावित इलाकों का दौरा कर लोगों को राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं।

बाढ़ के उच्चतम स्तर से ऊपर बहने वाली नदियों में दिसांग (नांगलामुराघाट) शामिल है। बाढ़ से वर्तमान समय में कुल 11 जिले प्रभावित हुए हैं। इनमें कार्बी आंगलोंग, गोलाघाट, चराईदेव, कामरूप, शिवसागर, जोरहाट, डिब्रूगढ़, नगांव, धेमाजी, होजाई, कामरूप (मेट्रो) शामिल हैं। बाढ़ से 11 जिलों के 40 राजस्व मंडलों के कुल 939 गांव प्रभावित है। राज्य की कुल 653164 आबादी एवं 24897.27 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए कुल 106 राहत शिविर एवं 381 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 487 शिविर स्थापित किये गए हैं। राहत शिविरों में 24418 लोग आश्रय लिए हुए हैं। राहत वितरण केंद्रों पर 290826 गैर-शिविर निवासी सामग्री प्राप्त कर रहे हैं।

बाढ़ से 22 जुलाई को 10 लोगों की मौत हो गई। कार्बी आंगलोंग में 1, चराईदेव में 2, शिवसागर में 3, जोरहाट में 3 और धेमाजी में 1 व्यक्ति की मौत हुई है। इस बीच लापता होने वालों की संख्या शिवसागर जिले में 6 दर्ज की गयी है। बाढ़ से प्रभावित जानवरों की कुल संख्या 138965 दर्ज हुई है, जिसमें बड़े 57552, छोटे 38788 एवं मुर्गी-पालन 42625 दर्ज हुए हैं। इस बीच बाढ़ के पानी में कुल 107 जानवर बह गये, जिसमें बड़े 83, छोटे 04 और मुर्गी-पालन 20 बताये गये हैं।

बाढ़ में राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। प्रभावित इलाकों में राज्य सरकार ने कुल 11 मेडिकल टीमों को तैनात किया। 56 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। बाढ़ में फंसे 8409 लोगों को नावों द्वारा निकाला गया। 35 जानवरों को भी नावों के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

छात्रों के प्रदर्शन पर अन्ना हजारे ने केंद्र से संवाद की अपील की

एजेंसी, अहिल्यानगर

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन पर केंद्र सरकार से संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाने के बजाय उससे बातचीत की जानी चाहिए और जवाबदेही तय करना ही सुशासन की पहचान है।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में गुरुवार को अन्ना हजारे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे छात्रों के समर्थन में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक दो घंटे का मौन आंदोलन किया। इसके बाद वे अपने गांव रालेगण सिद्धि के लिए रवाना हो गए। इससे पहले बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में हजारे ने दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और कथित पुलिस कार्रवाई को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में टकराव नहीं, बल्कि संवाद सबसे प्रभावी समाधान है।

हजारे ने अपने पत्र में लिखा कि यदि किसी मंत्री की जवाबदेही तय कर इस्तीफा लिया जाता है, तो इससे सरकार कमजोर नहीं होती बल्कि यह पूरे मंत्रिमंडल को जिम्मेदारी का स्पष्ट संदेश देता है और शासन व्यवस्था अधिक जवाबदेह बनती है।

अन्ना हजारे ने कहा कि देश के लाखों युवा पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में देरी और बढ़ती बेरोजगारी जैसी समस्याओं से परेशान हैं। इन मुद्दों को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानने के बजाय जनता की वास्तविक चिंता के रूप में देखा जाना चाहिए। बतौर अन्ना हजारे किसी भी गड़बड़ी या घोटाले के सामने आने पर अक्सर जिम्मेदारी निचले स्तर के अधिकारियों पर डाल दी जाती है, जबकि वास्तविक जवाबदेही उच्च पदों पर बैठे लोगों की होनी चाहिए।

नीट मुद्दे पर चर्चा को तैयार सरकार, लेकिन कांग्रेस ने शर्तें रखीं: किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

राज्यसभा में गुरुवार को पेपर लीक मामले को लेकर हंगामे के बीच केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन कांग्रेस ने बहस के लिए शर्तें रख दी हैं।

रिजिजू ने कहा कि सरकार और सभी दल नीट पर लीक मामले पर चर्चा के लिए सहमत थे, लेकिन राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में कांग्रेस ने चर्चा से पहले शर्तें रखीं। किरेन रिजिजू ने कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। इस पर कोई शर्त नहीं रखी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार दोनों सदनों में बिना राजनीतिकरण किए इस मुद्दे पर चर्चा चाहती है। रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें पेपर लीक मामलों में दोषियों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतें स्थापित करने की बात कही गई है।

रिजिजू ने कहा कि सदन में कि सभापति चर्चा का समय तय करें। हम आज ही चर्चा के लिए तैयार हैं।

इस पर जवाब देते हुए राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री का आज का बयान "उकसाने वाला" है। उन्होंने कांग्रेस का रुख दोहराते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निष्पक्ष चर्चा के लिए इस्तीफा देना चाहिए। इस पर सदन में जोरदार हंगामे होने लगा जिसके बाद सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

2 आतंकियों के घर आईईडी लगाकर ढहाए गए अनंतनाग में हेड कॉन्स्टेबल की हत्या में थे शामिल

एजेंसी, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के दो आतंकियों के घर IED लगाकर ध्वस्त कर दिए। यह कार्रवाई लाल चौक में पुलिस बल के हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या के एक दिन बाद की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जिन आतंकियों के मकान गिराए गए उनमें बिजबेहड़ा के गुरी गांव निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई शामिल है। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कॉन्स्टेबल कुरैशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमले में ये दोनों आतंकी भी शामिल थे। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग स्थित लाल चौक पर आतंकियों ने इस कायराना वारदात को अंजाम दिया था।

अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे कुरैशी: भारतीय रिजर्व पुलिस और एसओजी (SOG) से जुड़े हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे। जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रुकी हुई थी। दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने आतंकियों ने उन्हें बहुत करीब से निशाना बनाया और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। हमले के बाद आतंकी भाग गए। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शहीद जवान आशिक हुसैन के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

पाकिस्तान के आतंकी शिविरों में ट्रेनिंग ली: दोनों 2018 से सक्रिय बताए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, आदिल ठोकर लश्कर-ए-तैयबा (LeT) से जुड़ा है, जबकि मौजूदा खुफिया जानकारी के मुताबिक हारून गनई हिजबुल मुजाहिदीन (HM) से संबद्ध है। हालांकि, एक अन्य अधिकारी के बयान में दोनों को LeT का आतंकी बताया गया है। आदिल ठोकर 2018 में पंजाब के अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान गया था। वहां उसने आतंकी शिविरों में ट्रेनिंग ली और पिछले वर्ष किसी समय फिर जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ कर लौट आया। हमले के बाद सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे कश्मीर घाटी में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2,000 से अधिक ओवर ग्राउंड वर्कर्स (OGW) को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई आतंकियों और उनके समर्थन तंत्र के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा है। वहीं, अनंतनाग समेत कई इलाकों में सर्च ऑपरेशन भी तेज कर दिए गए हैं। पुलिस और सुरक्षा बल उन सभी तत्वों की पहचान कर रहे हैं, जो आतंकियों को रहने का ठिकाना, आर्थिक मदद, ट्रांसपोर्ट और संचार जैसी सुविधाएं मुहैया कराते हैं।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुईं 'अनुपमा' फेम रूपाली गांगुली

एजेंसी, उज्जैन

टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक 'अनुपमा' से देशभर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री रूपाली गांगुली गुरुवार तड़के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं। उन्होंने बाबा महाकाल की दिव्य भस्म आरती में शामिल होकर करीब दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर श्रद्धाभाव से आरती के दर्शन किए। भस्म आरती के बाद अभिनेत्री ने भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। दर्शन के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, "मैं आज जो भी हूं, वह बाबा महाकाल की कृपा से हूं। जब भी मन विचलित होता है या मानसिक शांति की आवश्यकता महसूस होती है, मैं महाकाल की शरण में चली आती हूं। भस्म आरती का अनुभव इतना अलौकिक है कि इसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।"

रूपाली गांगुली ने बताया कि वर्ष 2020 में पहली बार महाकाल मंदिर आने के बाद उनकी आस्था और अधिक प्रगाढ़ हो गई। तभी से वह हर दो महीने में उज्जैन आकर बाबा महाकाल के दर्शन करने का प्रयास करती हैं। इससे पहले वह जनवरी 2024, जनवरी 2025 और करीब चार महीने पहले भी महाकाल के दरबार में हाजिरी लगा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि महाकाल की नगरी उन्हें हमेशा नई ऊर्जा और मानसिक शांति प्रदान करती है।

कोलकाता में जन्मीं रूपाली गांगुली ने बचपन से ही अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उनके पिता अनिल गांगुली हिंदी फिल्म उद्योग के प्रतिष्ठित निर्देशक रहे हैं। टीवी धारावाहिक 'अनुपमा' ने उन्हें देशभर में नई पहचान दिलाई, जबकि चर्चित कॉमेडी शो 'साराभाई वर्सेस साराभाई' में निभाया गया 'मोनिशा' का किरदार आज भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गुरुवार तड़के सुबह चार बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर के कपाट खोले गए। गर्भगृह में विराजित सभी देवी-देवताओं के पूजन के बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया गया।

एनआईए ने पीएफआई के फरार आरोपी को दिल्ली हवाई अड्डे से दबोचा, सउदी अरब से वापस लौट रह था

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल के श्रीनिवासन हत्या मामले में एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह मामला प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़ा हुआ है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुहम्मदअली केपी के रूप में हुई है। वह पीएफआई के पलक्कड़ जिला अध्यक्ष था। एनआईए ने उसे गुरुवार यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया। वह उस समय सऊदी अरब के रियाद से भारत लौटा था। वह पिछले चार वर्षों से वहीं छिपा हुआ था। इस गिरफ्तारी के साथ इस मामले में पकड़े गए आरोपियों की कुल संख्या 67 हो गई है।

एनआईए ने गुरुवार को बताया कि बताया कि मुहम्मदअली केपी पर भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप तय किए गए हैं। वह हत्या की साजिश का प्रमुख हिस्सा था और उसने 16 अप्रैल 2022 को श्रीनिवासन की हत्या में शामिल हमलावरों को शरण भी दी थी। एनआईए ने उसकी गिरफ्तारी पर तीन लाख रुपये का इनाम घोषित किया था और इंटरपोल रेड नोटिस भी जारी किया गया था।

श्रीनिवासन की हत्या पीएफआई कैडरों ने की थी। एनआईए की जांच में सामने आया कि पीएफआई भारत में 2047 तक इस्लामी शासन स्थापित करने की साजिश के तहत आतंक फैलाने की कोशिश कर रहा था। संगठन ने इसके लिए विभिन्न विंग और यूनिट बनाए थे। पीई विंग के जरिए शारीरिक शिक्षा और योग प्रशिक्षण के नाम पर हथियारों की ट्रेनिंग दी जाती थी। रिपोर्टर्स विंग संभावित लक्ष्यों की जानकारी जुटाने का काम करता था, जबकि सर्विस टीम आतंकवादी हमलों को अंजाम देती थी। एनआईए ने सितंबर 2022 में यह मामला दर्ज किया था। जांच में यह भी सामने आया कि पीएफआई अपने कार्यालयों, कैंपस और सुविधाओं का इस्तेमाल हिंसक उग्रवाद और जिहाद फैलाने के लिए कर रहा था। मामले की जांच अभी जारी है।

पेपर लीक मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने को लेकर विपक्षी दलों ने जताया विरोध

एजेंसी, नई दिल्ली

पेपर लीक में शामिल लोगों को कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स पोस्ट पर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सागरिका घोष ने संसद परिसर से बाहर मीडिया से कहा कि पहले इस्तीफ़ा, फिर चर्चा। हम सदन में नीट पर चर्चा की मांग कर रहे हैं, लेकिन चर्चा से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना होगा। अगर वह इस्तीफा नहीं देते हैं, तो हम चर्चा नहीं करेंगे। धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफ़ा क्यों नहीं देंगे? यह एक बहुत महत्वपूर्ण सवाल है।

वहीं, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) के सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि यह विरोध सिर्फ संसद तक सीमित नहीं रहेगा। हम सड़कों पर उतरेंगे। हमने तय किया है कि हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग पर अड़े रहेंगे। हम जरा भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्हें इस्तीफ़ा देना ही होगा।"

समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि उनके (धर्मेंद्र प्रधान) के कार्यकाल में कितने पेपर लीक हुए, इस पर एक श्वेत पत्र आना चाहिए। कितने लोगों पर मुकदमा चला, कितनों को सजा मिली, कितने जेल गए, कितनों को सज़ा सुनाई गई, अब तक कुछ नहीं हुआ है।

विपक्षी पार्टियों ने केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके जवाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा सांसद अरुण सिंह ने सांसद जॉन ब्रिटास के हाथों से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग वाला बैनर छीन लिया।

सिक्किम सुरंग त्रासदी के बाद चार दिन चला खोज एवं बचाव अभियान समाप्त, सभी 25 शव बरामद

एजेंसी, नाम्ची

नाम्ची जिले के झोलुंगे अंतर्गत समरदुंग में निर्माणाधीन नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसी) की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की सुरंग में पिछले चार दिनों से चलाया जा रहा खोज एवं बचाव अभियान गुरुवार को समाप्त हो गया। सुरंग से सभी 25 पीड़ितों के शव बरामद कर लिए गए हैं। नाम्ची जिला प्रशासन के अनुसार आज के बचाव अभियान के दौरान तीन और शव बरामद किए गए। इसके साथ ही इस हादसे में मृतकों की कुल संख्या 25 हो गई। इसके बाद बचाव दल ने सुरंग का विस्तृत निरीक्षण किया और लापता सभी श्रमिकों के विवरण का मिलान करने के बाद पुष्टि की कि अब सुरंग के भीतर कोई भी व्यक्ति फंसा नहीं है। मृतकों में एनएचपीसी लिमिटेड, एआरएक्स और पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हैं। वे भारत के 10 राज्यों के निवासी थे, जिनमें पश्चिम बंगाल के 11, झारखंड के 4, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के 2-2 तथा केरल, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, पंजाब और असम के 1-1 व्यक्ति शामिल हैं।

बरामद सभी शवों को आवश्यक कानूनी और चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी करने के लिए सिंगताम जिला अस्पताल, एसटीएनएम अस्पताल (गंगटोक), नाम्ची जिला अस्पताल और सेंट्रल रेफरल अस्पताल, मणिपाल भेजा गया है। जिन शवों की पहचान हो चुकी है, उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। खोज एवं बचाव अभियान ख़त्म होने के बाद जिला प्रशासन ने चार दिनों तक चले इस चुनौतीपूर्ण अभियान में अथक समर्पण, पेशेवर दक्षता और उत्कृष्ट समन्वय के साथ योगदान देने वाले सभी बचाव एजेंसियों और कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इस बीच, राज्य सरकार ने इस दुखद घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया है। बचाव अभियान नाम्ची जिला प्रशासन के नेतृत्व में एनएचपीसी के अधिकारियों, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, आसनसोल की माइंस रेस्क्यू टीम, सिक्किम पुलिस, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के घनिष्ठ समन्वय से चलाया गया। अभियान की निरंतर निगरानी सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) ने की।

दक्षिण सिक्किम के नाम्ची जिले के समरदुंग, झोलुंगे स्थित एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की सुरंग में यह हादसा 20 जुलाई की दोपहर हुआ था।

खुशकिस्मत हूं की टाइपकास्ट नहीं हुई

रसिका दुगल ने गहरे और हटकर किरदारों को चुनकर अपना करियर बनाया है। लेकिन वह मानती हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनका करियर किस दिशा में जा रहा है। जहां 'मिर्जापुर' ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई, वहीं रसिका का कहना है कि 'मंटो' ने उन्हें उनके करियर के सबसे मुश्किल दौर से बाहर निकाला। रसिका ने उन किरदारों के बारे में बात की जिन्होंने उनकी जिंदगी बदल दी।

'मंटो' ऐसे समय में मिली जब सबसे ज्यादा जरूरत थी

बातचीत में अपने करियर के लिए सबसे अहम प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए रसिका ने कहा कि 'मिर्जापुर' बेशक सबसे ज्यादा लोगों तक पहुंची। लेकिन 'मंटो' ऐसे समय में मिली जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसमें लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा और जो बहुत बड़े दर्शकों तक पहुंचा, वह निश्चित रूप से 'मिर्जापुर' था। लेकिन मुझे लगता है कि जिस चीज ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकाला, वह 'मंटो' थी।
रसिका का कहना है कि वह खुशकिस्मत रहीं कि एक ही तरह के किरदारों में बंधकर नहीं रह गईं। 'मिर्जापुर' में एक्टर्स को उनके किरदारों के नाम से जाना जाता है। लेकिन मैं लकी थी क्योंकि 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' लगभग एक ही समय पर रिलीज हुए थे। 'दिल्ली क्राइम' और 'मिर्जापुर' में बिल्कुल अलग-अलग किरदार थे। इसलिए मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे उस विविधता को आजमाने और दिखाने का मौका मिला। दोनों ने अपने-अपने तरीके से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। 'दिल्ली क्राइम' एक बहुत ही शानदार शो है। रसिका ने माना कि टाइपकास्टिंग से बचना हमेशा उनकी प्राथमिकता नहीं थी।

लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर शहनाज गिल ने बताया अपना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इसे लेकर मन में एक डर आता है।

जब शहनाज से पूछा गया कि क्या दूर रहने से प्यार बढ़ता है या कम हो जाता है? इस पर उन्होंने कहा, 'जब दो लोग एक-दूसरे से दूर होते हैं, तो प्यार और पार्टनर की अहमियत बढ़ जाती है। लेकिन इसके साथ ही एक डर भी मन में आता है कि सामने वाला इंसान पीठ पीछे क्या कर रहा होगा। इसलिए दूरी से शक भी बढ़ जाता है।' शहनाज ने कहा, 'मेरा मानना है कि अगर प्यार सच्चा हो और पार्टनर पास हो, तो रिश्ते में किसी दूरी की जरूरत नहीं होती।'

आज के दौर में प्यार

जब शहनाज से पूछा गया कि आज के डेटिंग ऐप्स के जमाने में क्या ऐसा सच्चा प्यार मुमकिन है? तो उन्होंने कहा कि प्यार किसी भी तरह का हो, चाहे पुराने जमाने का या आज के दौर का बस दिल में सच्चा प्यार होना चाहिए।
फिल्म 'इश्कनामा' एक सच्ची घटना पर आधारित बताई जा रही है। यह फिल्म निम्मा और नसीमा नाम के दो प्रेमियों की असल जिंदगी की कहानी है। इसकी कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के आस-पास की है, जो प्यार, उनके त्याग और मजबूरी में अलग होने के दर्द को दिखाती है।
किस किताब पर आधारित है 'इश्कनामा'
फिल्म 'इश्कनामा', 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' नाम की किताब पर बनी बताई जा रही है। इस फिल्म में शहनाज गिल के साथ जय रंधावा और सौरभ सचदेवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर अरविंद एस. खैरा हैं। फिल्म का म्यूजिक बी प्राक ने दिया है और गाने जानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 24 जुलाई को भारत, कनाडा और यूके समेत दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रियलिटी शो में आता है कलाकारों का असली चेहरा, किरदार से अलग होती है पहचान

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह 'बिग बॉस 18' में नजर आने के बाद काफी सुर्खियों में रही हैं। अब उन्होंने रियलिटी शो और एक्टिंग की दुनिया के बीच के फर्क को लेकर अपनी राय साझा की है।

उनका मानना है कि रियलिटी शो कलाकार के असली स्वभाव को समझने का मौका देते हैं। जब कोई कलाकार रियलिटी शो में आता है तो दर्शक उसे उसके निभाए किरदारों से अलग एक इंसान के रूप में जान पाते हैं। इंटरव्यू में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को ज्यादा लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती है, लेकिन दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी के बारे में जानने में हमेशा दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें इसलिए देखना पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और करीब से जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, व्यवहार और पसंद-नापसंद को समझने का मौका मिलता है।''
अभिनेत्री ने उदाहरण देते हुए कहा, ''दर्शक मेरे निभाए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार खुद के रूप में सामने आता है।''
ईशा सिंह ने कहा, ''यही वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग जुड़ाव बन जाता है। लोग सिर्फ किसी कलाकार का काम ही नहीं देखना चाहते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है। दर्शकों को यह जानने में भी दिलचस्पी होती है कि कोई कलाकार क्या पहनता है, कैसे तैयार होता है, क्या खाता है और उसका व्यवहार कैसा है।''
उन्होंने आगे कहा, ''रियलिटी शो और फिक्शन शो दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। दोनों का अपना अलग महत्व और अलग दर्शक वर्ग होता है। रियलिटी शो में कलाकार का निजी पक्ष सामने आता है, जबकि अभिनय में कलाकार किसी कहानी और किरदार को जीता है। रियलिटी शो की अपनी अलग ऑडियंस होती है। आज कई तरह के रियलिटी शो बनाए जा रहे हैं। लेकिन एक्टिंग पूरी तरह अलग चीज है। यह बिल्कुल अलग तरह का क्षेत्र है।''

'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मैं जिंदगी भर याद रखूंगी

अभिनेत्री यामी गौतम को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया है। उन्हें फिल्म 'आर्टिकल 370' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है। इस कामयाबी से अभिनेत्री खुश हैं। पुरस्कार मिलने पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी है। अभिनेत्री ने पुरस्कार मिलने के बाद एक्स पर लिखा 'हर सफर में एक ऐसा पल आता है, जो आपको याद दिलाता है कि आपने हार क्यों नहीं मानी। आज मेरे लिए वही पल है। 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।' उन्होंने आगे लिखा 'चौदह वर्षों से, मैंने बस अपने काम के प्रति ईमानदार रहने, ईमानदारी से काम करने और अपनी परफॉर्मेंस को ही अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यह सम्मान उम्मीद, हिम्मत, मजबूती और सिनेमा के लिए अटूट प्यार से भरे सफर का नतीजा लगता है। यह एक ऐसा सपना है, जिसे मैंने वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखा था और आज, मैं इसे बहुत आभार और विनम्रता के साथ स्वीकार कर रही हूं।'

यामी ने जताया आभार

उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' को चुनने के लिए और इसे पुरस्कार देने के लिए आभार जताया है। उन्होंने लिखा 'मेरे परिवार, मेरी टीम, मेरे शुभचिंतकों और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने उतार-चढ़ाव के हर दौर में मुझ पर भरोसा किया। आपके भरोसे ने मुझे आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी, तब भी जब मंजिल बहुत दूर लगती थी।'

'आर्टिकल 370' को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर गदगद हैं आदित्य धर

बीते दिनों 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं के नाम का एलान हुआ। यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला है। इसके अलावा फिल्म ने दो और पुरस्कार जीते हैं। इसी फिल्म के लिए यामी गौतम के नाम का एलान सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर किया गया है। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए शशवत सचदेव ने पुरस्कार जीता है। इस पर आदित्य धर ने रिएक्शन दिया है।

आदित्य धर ने जताई खुशी

बता दें कि 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार साल 2024 के लिए प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं का एलान हो चुका है। 'आर्टिकल 370' को तीन पुरस्कार मिलने पर आदित्य धर गदगद हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण किया है। 'धुरंधर' डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर खुशी जताई है और यह वादा किया है कि वे इसी तरह की कहानियां लाते रहेंगे।

शब्दों में बयां करना मुश्किल

आदित्य धर ने लिखा है, 'फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए तीन नेशनल अवॉर्ड जीतना एक ऐसा पल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह अनुभव मुझे विनम्र और भावुक बनाता है और मेरा दिल गहरे आभार से भर देता है। जब हमने यह फिल्म बनाने का फैसला किया, तो हमारा मकसद अवॉर्ड पाना नहीं था। हम ईमानदारी, हिम्मत और सच्चाई के साथ एक कहानी कहने के पक्के इरादे से प्रेरित थे। यह देखना वाकई बहुत सुखद है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है।

ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे

आदित्य ने आगे लिखा है, 'जियो स्टूडियोज में हमारे पार्टनर्स, खासकर ज्योति देशपांडे का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने अटूट भरोसे के साथ इस फिल्म का साथ दिया और सार्थक सिनेमा को बढ़ावा दिया। पुरस्कार मिलना खुशी तो है ही, साथ ही वे आगे की जिम्मेदारी की याद भी दिलाते हैं। यह सम्मान हमारे इस भरोसे को और मजबूत करता है कि ईमानदारी, पक्के इरादे और मकसद के साथ कही गई कहानियां हमेशा अपनी जगह बना ही लेती हैं। यह मंजिल नहीं है। यह एक वादा है कि हम नई सीमाएं तय करते रहेंगे, ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे, जो मायने रखती हैं और ऐसा सिनेमा बनाते रहेंगे जो बातचीत शुरू करे। भावनाओं को जगाए और एक गहरी छाप छोड़े। दिल की गहराइयों से... धन्यवाद। यह सम्मान हम सभी का है। जय हिंद'।

यामी और प्रियामणि के अभिनय को सराहा

इस शानदार सम्मान के लिए सम्मानित जूरी का और उन सभी लोगों का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने 'आर्टिकल 370' देखी, उसे सपोर्ट किया, उस पर चर्चा की और उसमें भरोसा जताया। आपके प्यार ने इस फिल्म को स्क्रीन से परे एक नई जिंदगी दी। यह सम्मान हमारे बेहतरीन डायरेक्टर, आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी सोच और पक्के इरादे ने हर फ्रेम को आकार दिया। यामी गौतम और प्रियामणि का भी शुक्रिया, जिन्होंने अपनी एक्टिंग में इतनी गहराई, मजबूती और सच्चाई दिखाई। शाश्वत सचदेव का भी धन्यवाद, जिनका संगीत हमारी कहानी कहने की कला की जान बन गया। हमारी कास्ट और क्रू के हर सदस्य का भी शुक्रिया, जिनकी लगातार मेहनत, जुनून और भरोसे ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया'।